DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | मंगलवार 23 अगस्त 2022 | पीडीएफ अंक-125 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –35 सूर्योदय – 5 : 54
न्यूनतम – 28 सूर्यास्त – 6 : 52

सोना चांदी

सोना – 52850.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 55600.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स –58773.87 निफ्टी – 17490.70
रु/यूएस डॉलर – 79.90 रु/यूरो – 79.87

न्यूज फ्लैश

समय की मांग है भारत जोड़ो अभियान : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो अभियान समय की मांग की है। राहुल ने सोमवार को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में भारत जोड़ो यात्रा की बैठक के दौरान सिविल सोसायटी के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि वह भारत जोड़ो अभियान के लिए निकलेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस

अब रुकने वाली नहीं है। इस यात्रा में अगर लोग नहीं भी आएंगे तो वह अकेले ही यात्रा शुरू कर देंगे। राहुल ने कहा कि देश को तोड़ने वाली सोच के विरोध में देश को जोड़ने वाली सोच की बात करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान लोगों को बताया जाएगा कि कैसे कुछ लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में हर उस व्यक्ति का स्वागत है जो देश को अखंड रखने की सोच रखते हैं। कार्यक्रम के समापन के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी ने आज सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों से करीब डेढ़ घंटे संवाद किया। इस दौरान राहुल ने करीब 40 लोगों के सवालों के जवाब दिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस 07 सितंबर से भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत कर रही है। यह यात्रा लगभग 3,500 किलोमीटर लंबी होगी। यात्रा 150 दिनों तक चलेगी। यह यात्रा कन्याकुमारी से कश्मीर तक 12 राज्यों और 07 केन्द्र शासित राज्यों से होकर गुजरेगी।

अरुण उप्रेती सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए

गंगटोक। विधायक एवं पूर्व मंत्री अरुण उप्रेती को सिक्किम विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया है। सोमवार को हुए चुनाव में विधायक उप्रेती को 30 वोट मिले। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एलबी दास के इस्तीफे के बाद

अध्यक्ष का पद खाली था। पूर्व मंत्री अरुण उप्रेती ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। आज हुए चुनाव में 30 सदस्यों ने उप्रेती के समर्थन में वोट डाले। विधायक डीटी लेप्चा ने भाजपा विधायक दल की ओर से प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्षी एसडीएफ पार्टी के विधायक पवन चामलिंग आज अनुपस्थित थे। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री प्रेमसिंह तमांग सहित सदन के सदस्यों ने नवनिर्चोचित अध्यक्ष को खादा पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष उप्रेती ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री और चुनाव में समर्थन के लिए सदन के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। उन्होंने इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन के लिए एनएचए ने जारी किये दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के मकसद से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने सोमवार को राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एनएचए ने अस्पतालों में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए अस्पतालों, क्लीनिक्स और स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों जैसे स्वास्थ्य संस्थानों के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। दिशा-निदेर्शों के बारे में एनएचए के सीईओ डॉ. आर.एस. शर्मा ने

बताया कि एबीडीएम कार्यान्वयन की दिशा में पहला कदम अस्पतालों का डिजिटलीकरण है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने कुछ दिशा-निदेर्शों की आवश्यकता व्यक्त की जो उन्हें स्वास्थ्य सुविधा के आकार के आधार पर आईटी अवसंरचना का अवलोकन करने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि एनएचए द्वारा जारी दिशा-निर्देश से राज्यों को उनकी आवश्यकताओं का आकलन करने में मदद मिलेगी और उनके स्वास्थ्य संस्थानों में एबीडीएम को अपनाने की सुविधा प्रदान करेंगे। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन देश भर के अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों को एक-दूसरे से जोड़कर प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा और जीवन को आसान बनाएगा। डिजिटल इकोसिस्टम कई अन्य सुविधाओं को भी सक्षम करेगा । इनमें टेलीकंसल्टेशन, पेपर-लेस हेल्थ रिकॉर्ड, क्यूआर कोड आधारित ओपीडी पंजीकरण आदि। स्वास्थ्य रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण से यह सुनिश्चित होगा कि रोगियों के पुराने मेडिकल रिकॉर्ड खो नहीं सकते हैं और उन्हें कभी भी कहीं भी एक्सेस किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री 24 अगस्त को हरियाणा और पंजाब का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 अगस्त को हरियाणा और पंजाब का दौरा करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री दो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन व लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 11 बजे दिन में हरियाणा के फरीदाबाद में अमृता अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। उसके बाद प्रधानमंत्री मोहाली जायेंगे और वहां मुल्लानपुर, न्यू चंडीगढ़, साहिबजादा अजीत सिंह नगर जिला (मोहाली) में लगभग 2:15 बजे होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण करेंगे। फरीदाबाद में अमृता अस्पताल के उद्घाटन के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना उपलब्ध हो जायेगी। इस अस्पताल का प्रबंधन माता अमृतानन्दमयी मठ द्वारा किया जायेगा। यह सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 2600 बिस्तरों का है। अस्पताल की निर्माण लागत

अनुमानतः 6 हजार करोड़ रुपये है और यहां फरीदाबाद तथा पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र पंजाब और पड़ोसी राज्यों के निवासियों को विश्वस्तरीय कैंसर सुविधा व उपचार उपलब्ध कराएगा। इस अस्पताल को 660 करोड़ रुपये की लागत से टाटा मेमोरियल सेंटर ने निर्मित किया है, जो भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत सहायता-प्राप्त संस्थान है। यह कैंसर अस्पताल तृतीयक स्तर का अस्पताल है, जिसकी 300 बिस्तरों की क्षमता है। अस्पताल कैंसर के सभी प्रकारों के उपचार के लिये हर आधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां सर्जरी, रेडियोथेरेपी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध होगी। यह अस्पताल पूरे क्षेत्र में कैंसर सुविधा और उपचार के लिये केंद्र के रूप में और संगरूर में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल इसकी शाखा के रूप में कार्य करेगा।

हनुमान चालीसा पाठ मामले में कोर्ट ने राणा दंपत्ति की जमानत बरकरार रखी

मुंबई। बॉम्बे सत्र न्यायालय ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास के बाहर हनुमान चालीसा पाठ मामले में सांसद नवनीत राणा और विधायक रवि राणा को दी गई जमानत बरकरार रखने का आदेश दिया है। जज राहुल रोकड़े ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश का हवाला करते हुए पुलिस की ओर जमानत रद्द करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। राणा दंपत्ति को जमानत देते समय अदालत की ओर से लगाई गई कुछ शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए पुलिस ने सेशन कोर्ट में आवेदन दिया था। सरकारी वकील प्रदीप घरात ने कोर्ट को बताया कि इन दोनों ने राज्य सरकार को निशाना बनाकर भड़काऊ बयान दिया है जो जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए राणा दंपत्ति की जमानत रद्द की जानी चाहिए। राणा दंपत्ति की ओर

से कहा गया कि जिस मामले में जमानत दी गई है, उसके बारे में मीडिया में कुछ नहीं कहा है। जब वे जेल में थे, तब मुंबई नगर निगम ने उनके खार स्थित आवास पर अवैध निर्माण के लिए नोटिस भेजा था। उस मामले का जवाब मीडिया को दिया गया है। राणा दंपत्ति ने अपना जवाब देते हुए कहा है कि देशद्रोह की आईपीसी की धारा 124 (ए) के संबंध में मिली जमानत को फिलहाल रद्द नहीं किया जा सकता है। इसके बाद सेशन कोर्ट ने राणा दंपत्ति की जमानत रद्द किए जाने के आवेदन को निरस्त कर दिया और जमानत को बरकरार रखने का आदेश जारी किया है।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की

नई दिल्ली। पंजाब से आम आदमी पार्टी आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भारत के नए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सोमवार को दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। चड्ढा ने उपराष्ट्रपति महोदय को पद संभालने की बधाई दी और कहा कि हम सब आपकी अध्यक्षता में काम करने को लेकर काफी उत्सुक हैं। उन्होंने उपराष्ट्रपति से देश के कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा की। सोमवार को पार्टी द्वारा जारी एक बयान में राघव चड्ढा ने कहा कि उपराष्ट्रपति महोदय से मिलकर बेहद खुशी हुई। मुझे पूरी उम्मीद है कि वह इस अपने पद का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे एवं उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को बरकरार रखेंगे। हम सब सदस्यों को अपने नए सभापति महोदय से काफी उम्मीदें हैं।

किसानों ने किया प्रदर्शन, रखी नौ सूत्रीय मांगें

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर देश के 40 किसान संगठनों ने सोमवार को अपनी नौ सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिवसीय प्रदर्शन किया। इस दौरान देश के कई राज्यों के किसानों और किसान संगठनों ने हिस्सा लिया। संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) के आह्वान पर यह महापंचायत आयोजित की गई। इस महापंचायत से संयुक्त किसान मोर्चा ने खुद को दूर रखा । इस संबंध में संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी योगेन्द्र यादव ने अपने बयान में कहा कि जंतर-मंतर पर आयोजित महापंचायत संयुक्त किसान मोर्चा का हिस्सा नहीं है। संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनैतिक) के संयोजक जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा

कि आज के महापंचायत में देश भर के लगभग 40 किसान संगठनों ने हिस्सा लिया। यह महापंचायत 09 सूत्रीय मांगों को लेकर आयोजित की गई थी। शाम चार बजे महापंचायत खत्म होने के बाद किसान नेता अपने 09 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन राष्ट्रपति को सौंप पर आंदोलन समाप्त कर देंगे। उल्लेखनीय है कि इस महापंचाय के माध्यम से किसानों की मांग है कि लखीमपुर खीरी हिंसा में पीड़ित किसान परिवारों को न्याय मिले और जेलों में बंद किसानों को रिहा किया जाए। लखीमपुर खीरी हिंसा में शामिल केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को गिरफ्तार किया जाए। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को पूर्ण रूप से माना जाए। किसानों का संपूर्ण ऋण माफ किया जाए। किसान संगठनों ने किसानों के बिजली के बिल माफ करने से साथ-साथ गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाने, भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से बाहर निकलने और सभी मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की भी मांग की। इसके साथ ही अन्य मागों जैसे किसान आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए सभी मुकदमे वापस लेने, अग्निपथ योजना को वापस लेने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के बकाया मुआवजे का भुगतान और देश में बढ़ती महंगाई और रोजगार के मुद्दों को लेकर महापंचायत आयोजित की गई।

प्रधान ने की भारत-ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा परिषद की छठी बैठक की सह-अध्यक्षता

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज द्विपक्षीय बैठक आयोजित की और वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूबीएसयू) में अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष जेसन क्लेयर के साथ ऑस्ट्रेलिया भारत शिक्षा परिषद (एआईईसी) की छठी बैठक की सह-अध्यक्षता की। द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता में सहयोग को और मजबूत करने के बारे में सार्थक चर्चा की। धर्मेंद्र प्रधान ने ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों और कौशल संस्थानों द्वारा भारत में अपने परिसरों की स्थापना करने और भारतीय संस्थानों के साथ सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने का स्वागत किया। उन्होंने जेसन क्लेयर को इस वर्ष के अंत तक भारत की यात्रा करने का निमंत्रण भी दिया। दोनों मंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक के तहत शिक्षा को एक प्रमुख स्तंभ बनाने के दृष्टिकोण से शिक्षण, कौशल और अनुसंधान में सहयोग का विस्तार करने पर भी सहमति व्यक्त की। ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा परिषद की छठी बैठक में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एआईईसी संबंधों को आगे बढ़ाने और शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान की प्राथमिकताओं में कार्य संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक बहुत प्रभावी मंच है। उन्होंने अगले साल भारत में एआईईसी की 7वीं बैठक आयोजित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम को आमंत्रित किया। प्रधान ने आयुर्वेद, योग, कृषि आदि के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अनुसंधान सहयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कौशल प्रमाणन और खनन, लॉजिस्टिक (रसद) प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने का भी आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में नक्सलवाद और आतंकवाद पर की चर्चा

भोपाल। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक हुई। इस बैठक में नक्सलवाद, आतंकवाद, किसान कल्याण, महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध, अनाज वितरण और साइबर अपराधों को लेकर चर्चा हुई। मध्य क्षेत्रीय परिषद की यह 23वीं बैठक है। इसमें मध्यप्रदेश समेत, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री शामिल होने वाले थे, लेकिन भारी बारिश के चलते छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उत्तर प्रदेश के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भोपाल दौरा कैंसिल हो गया। यह दोनों मुख्यमंत्री बैठक में वर्चुअली जुड़े, जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बैठक में शामिल हुए। बैठक में नक्सलवाद और साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही ड्रग्स, मानव तस्करी, मोटे अनाज के वितरण, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों पर व्यय होने वाली राशि की प्रतिपूर्ति आदि विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण, किसान कल्याण, महिलाओं, बच्चों के विरुद्ध अपराध की विवेचना, आंतरिक सुरक्षा पर भी विचार- विमर्श हुआ। केन्द्रीय मंत्री शाह रविवार देर रात एक बजे हैदराबाद से भोपाल पहुंच गए थे। स्टेट हैंगर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनकी अगवानी की।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन पर एफआईआर दर्ज करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोप में भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन पर एफआईआर दर्ज करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पीड़ित महिला को नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई सितंबर के तीसरे हफ्ते में होगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने शाहनवाज हुसैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और तीन महीने में जांच कर ट्रायल कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिल्ली पुलिस को दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि सभी तथ्यों को देखने से साफ है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज करने तक पुलिस की अनिच्छा नजर आ रही है। हाई कोर्ट ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने पुलिस से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी थी लेकिन कोर्ट में पेश की गई पुलिस की रिपोर्ट अंतिम नहीं थी। दरअसल दिल्ली की एक महिला ने 22 अप्रैल, 2018 को पुलिस थाने में शिकायत दी कि छतरपुर के एक फार्म हाउस में शाहनवाज हुसैन ने उसके साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी थी। महिला के मुताबिक उसकी शिकायत पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उसके बाद 26 अप्रैल, 2018 को महिला ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। महिला की शिकायत के मुताबिक पुलिस शाहनवाज हुसैन को बचाना चाहती थी। महिला ने 21 जून, 2018 को साकेत कोर्ट में याचिका दायर कर शाहनवाज हुसैन के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराने की मांग की थी। पुलिस ने ट्रायल कोर्ट को बताया था कि शाहनवाज हुसैन के खिलाफ मामला नहीं बनता है। ट्रायल कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की इस दलील को खारिज करते हुए कहा था कि महिला की शिकायत में संज्ञेय अपराध का होना पाया गया है। साकेत कोर्ट के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 7 जुलाई, 2018 को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद शाहनवाज हुसैन ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की। स्पेशल जज ने भी 12 जुलाई को शाहनवाज की याचिका खारिज करते हुए मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश पर मुहर लगा दी। स्पेशल कोर्ट ने कहा कि अपराध संशोधन अधिनियम के तहत दुष्कर्म के मामले में पुलिस पीड़ित महिला का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने के लिए बाध्य है। स्पेशल कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने जो जांच की वो प्रारंभिक जांच थी और मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने पुलिस की रिपोर्ट को मामला खत्म करने वाली रिपोर्ट नहीं मानकर सही किया। उसके बाद शाहनवाज हुसैन ने स्पेशल जज के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

नए लेबर कोड को लागू करने की तैयारी में सरकार

-श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव बोले- कानून से पूंजी निर्माण और कौशल विकास होगा

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने नए लेबर कोड को लागू करने के पीछे सरकार की योजना बताई है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि नए लेबर कोड के माध्यम से रोजगार के नए मौके बनेंगे। साथ ही बेहतर पूंजी निर्माण और कौशल विकास होगा। डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रोडक्शन में ग्रोथ के साथ श्रमिकों के कल्याण के लिए भी डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट, पुणे में आयोजित कार्यक्रम में भूपेंद्र यादव ने कहा- नए लेबर कोड का उद्देश्य मुकदमा-मुक्त समाज का निर्माण करना है। इस प्रकार आम नागरिकों को सशक्त बनाना है। इसके अलावा, अनावश्यक अपराधीकरण नहीं होना चाहिए। हमने पुराने कानूनों को युक्तिसंगत बनाया है और पुरुषों व महिलाओं दोनों के लिए उचित मेहनताना सुनिश्चित करने के लिए ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड वेज स्टैंडर्ड पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि 29 विभिन्न अधिनियमों को चार नए लेबर कोड में तब्दील कर दिया गया है। नए लेबर कोड वेज, सोशल सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल रिलेशंस और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी से जुड़े हैं। भूपेंद्र यादव ने बताया कि नए लेबर कोड के तहत ऑक्यूपेशनल सेफ्टी को लागू करने के लिए कानून बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए लेबर कोड में सोशल सिक्योरिटी फंड का प्रावधान है।

सम्पादकीय

आजादी का अमृत महोत्सव, पर छुआछूत से मुक्ति नहीं

आजादी का अमृत महोत्सव और दूसरी तरफ जातिवादी उत्पीड़न की खबर। ऐसे में कैसा महोत्सव मना रहे हम? यह समझ से परे है। जालौर के एक निजी स्कूल में शिक्षक ने तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक दलित छात्र की सिर्फ इसलिए पिटाई कर दी क्योंकि छात्र ने शिक्षक की मटकी से पानी पी लिया। यह घटना राजस्थान के जालौर जिले के सायला तहसील के एक गांव की है। जहां 20 जुलाई को स्कूल संचालक और शिक्षक ने 9 साल के मासूम बच्चे की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना में बच्चे को गम्भीर चोट आई, और 13 अगस्त को ईलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। अब जरा सोचिए कि इक्कीसवीं सदी में हम किस हालात में जी रहें हैं। एक मासूम बच्चा जो ठीक से जात पात का मतलब भी नहीं समझ पाता हो। उसे एक शिक्षक द्वारा छुआछूत के चलते बेरहमी से पीटना क्रूरता की पराकाष्ठा है, लेकिन हम तो आजादी के अमृतकाल में जी रहें हैं! देश के कोने-कोने में तिरंगा झंडा फहराए जा रहें हैं, लेकिन मानवता आज कहाँ खड़ी है। शायद इसकी परवाह किसी को नहीं। किताबों में हम पढ़ते हैं कि जाति प्रथा एक सामाजिक बुराई है। पर अफसोस की आज भी हमारा देश इसके चुंगल में जकड़ा हुआ है। छुआछूत, ऊंच-नीच, दलित-स्वर्ण का भेद अभी भी समाज से खत्म नहीं हुआ है। हम सभी जानते हैं कि जातिवाद राष्ट्र के विकास में बाधक है, लेकिन फिर भी इसके नाम पर अत्याचार जारी है। संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, लेकिन उसी संवैधानिक देश में भारतीयों को जातियों में बांटकर देश के विकास को अवरुद्ध किया जा रहा है। संविधान के अनुच्छेद 15 में राज्य के द्वारा धर्म, जाति, लिंग यहां तक कि जन्म स्थान के आधार पर नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार से भेदभाव नहीं किए जाने की बात कही गई है। वहीं अनुच्छेद- 17 जातिवाद को पूरी तरह से निषेध करता है, बावजूद इसके तमाम राजनीतिक दल जातिगत राजनीति करते है और आज उसकी परिणीति राजस्थान में हम सभी के सामने है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है और वह सिर्फ अपनी सत्ता बचाए रखने में लगी रहती है। जिसकी वजह से प्रदेश का सामाजिक परिवेश लगातार बिगड़ रहा है। देश-प्रदेश में निचली जातियों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए तमाम कानून भी बन चुके हैं, लेकिन हालत आज भी बद्तर ही नजर आते हैं। वैसे यह कोई पहला मामला नहीं जब जातिवाद के नाम पर बवाल मचा है। सवाल तो यह भी है कि जब शिक्षा के मंदिर से जातिवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। फिर भारत का भविष्य क्या होगा? वैसे देखा जाए तो हमारी राजनीतिक व्यवस्था भी जातिवाद को पोषण देने का ही काम कर रही है। यहां तक कि हमारे जनप्रतिनिधि भी जाति देखकर अपना पराया करते है। यही वजह है कि जातीय मानसिकता समाज में अपनी मजबूत पैठ बना चुकी है। आंकड़ो की बात करें तो देश में साल 2018 से 2020 के बीच दलितों पर अत्याचार के 1 लाख 29 हजार मामले दर्ज हुए। इसमें उत्तरप्रदेश पहले नंबर पर है। उसके बाद बिहार और मध्यप्रदेश का नम्बर आता है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की माने तो साल 2019 में अनुसूचित जातियों पर अपराध के मामलों में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि अधिकतर मामलों में ऐसे अपराधों को दर्ज ही नहीं किया जाता, क्योंकि रौबदार डरा धमकाकर मामला शांत करने का दबाव बनाते है। जब भी समाज में इस तरह की घटना घटित होती है तो तमाम राजनीतिक दल उस पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने लगते है, पर कभी कोई दल यह सुनिश्चित नहीं कर पाया है कि ऐसे अपराधों पर कठोर दंड का प्रावधान किया जाए। राजस्थान की ही बात करें तो यहां पर अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। एक मामला शांत नहीं होता कि दूसरी घटना घटित हो जाती है, आखिर क्या वजह है जो राजस्थान में अपराधी बेखौफ हो गए है? अभी 10 अगस्त की ही घटना को देख लीजिए।

रोजगार की आजादी तो मिली ही नही, गुलामीयत बरकरार है!

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन /ईएमएस

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रभक्ति के तहत नाच गाना ,भाषण तो बहुत हो गए। लेकिन बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं को रोजगार नही मिला। आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न अभी 15 अगस्त 2023 तक चलेगा। जिसपर 110 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किए हैं। जबकि राज्य सरकारों द्वारा भी इस महोत्सव के लिए करोड़ो रुपयों का भारी भरकम बजट अलग से निर्धारित किया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा 12 मार्च, सन 2021 को गुजरात की साबरमती से शुरू हुई थी, जो 15 अगस्त, सन 2023 को एक वर्ष के बाद समाप्त होगी। शुरूआत के बाद से 270 दिनों में 150 से अधिक देशों जहां जहां भी भारतीय मूल के लोग रहते है, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 13000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। इस शताब्दी और वर्षगांठ योजना के लिए परिव्यय को 5 वर्ष की अवधि में बढ़ाकर 980 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, वर्ष 2022-23 के लिए 380 करोड़ रुपये का प्रस्ताव अभी विचाराधीन है। 2021-2022 के लिए अनुमोदित संशोधित परिव्यय (2665.00 करोड़ रुपये) के मुकाबले 3009.05 करोड़ रुपये है। इस परिव्यय में वित्तवर्ष 2022-23 के दौरान 2 संलग्न कार्यालयों, 6 अधीनस्थ कार्यालयों, 34 केंद्रीय स्वायत्त निकायों और मंत्रालय की योजनाओं के प्रावधान शामिल हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में वार्षिक परिव्यय वित्तवर्ष 2021-22 में संशोधित वार्षिक परिव्यय से 13 प्रतिशत अधिक है। इस बाबत एएसआई को 1080.34 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में मंत्रालय की मध्य क्षेत्र की योजनाओं के लिए 532.55 करोड़ रुपये (9 प्रतिशत) आवंटित किए गए हैं, जिसमें कला संस्कृति विकास योजना, संग्रहालय का विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, शताब्दी और वर्षगांठ समारोह योजना और पुस्तकालयों और अभिलेखागार का विकास शामिल है। इस महोत्सव की एक महत्वपूर्ण कड़ी है 'हर घर तिरंगा' अभियान। देशभर में बाजार के अंदर व 115 लाख डाक घरों में राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री व्यापक स्तर पर हुई है। एक कारोबारी ने बताया, "डिमांड में 100 गुना तक बढ़ोतरी हुई है। जो लोग छपाई से जुड़ा कोई भी काम कर रहे थे वे इस बार हर काम छोड़ कर बस तिरंगा बनाने में जुटे रहे ।" तिरंगा की मांग इतनी ज्यादा की जा रही है कि उसे बनाने वाले कारीगर कम पड़ गए हैं. कई दुकानदारों ने तो नया ऑर्डर लेने से ही इंकार कर दिया है। तिरंगा की बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानदारों ने बाजार में झंडों की बुकिंग तक बंद कर दी थी। इस बार बाजार में कागज के तिरंगा की बजाय कपड़े के तिरंगा की मांग ज्यादा है, दुकानदार खुद भी तिरंगा कम पड़ने से निराश हैं और ग्राहकों को भी तिरंगा नहीं मिलने से निराश होकर लौटना पड़ रहा है। वहीं, मांग बढ़ने और उसकी सप्लाई कम होने के कारण दिल्ली समेत देशभर में तिरंगा के दाम बढ़ गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस महोत्सव में देशभर में लगभग 6 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज बीके है। अकेले डाकघरों में इन ध्वजों की बिक्री लगभग ढाई लाख है जिनमे डेढ़ लाख ध्वज ऑन लाइन बिके तो एक करोड़ से अधिक सीधे डाकघरों की विंडो से बेचे गए। सरकारी स्तर पर ध्वज की कीमत 25 रुपये है जबकि खुले बाजार में राष्ट्रीय ध्वज 50 रुपये से 100 रुपये तक बिका। अभी तक राष्ट्रीय ध्वज गांधी आश्रम से ही खादी का बना मिलता था। जिसकी गुणवत्ता भी थी। लेकिन इस बार पॉलिएस्टर के ध्वज गुणवत्ता में खादी के मुकाबले कही नही टिकते। खादी का एक ध्वज के बराबर पोलियस्टर के 20 ध्वज है। जिसकारण ध्वज की गरिमा बनाये रखना भी चुनौती पूर्ण है। भारतीय ध्वज संहिता के खंड 2.2 के अनुसार, यदि तिरंगा झंडा क्षतिग्रस्त हो या बदरंग हो जाए या फिर कट फट जाए तो उसे अलग ले जाकर पूरी तरह नष्ट कर देना चाहिए। यानी एक तरह से जलाकर या फिर किसी ऐसे तरीके से, जिसमें कि राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को कोई ठेस ना पहुंचे। तिरंगे झंडे को पवित्र नदी में जल समाधि भी दी जा सकती है। फटा या गंदा तिरंगा झंडा फहराना अपराध है अगर कोई ऐसा करता है तो उसे 3 साल की सजा हो सकती है। स्वतंत्रता दिवस या अन्य किसी राष्ट्रीय पर्व पर स्कूलों में बच्चे कागज के तिरंगा लेकर जाते हैं। तिरंगे झंडे को लेकर कड़े नियम हैं। इन झंडों को कभी भी जमीन पर नहीं फेंकना चाहिए। इस झंडे को राष्ट्र ध्वज की गरिमा को ध्यान रखते हुए अलग ले जाकर त्याग देना चाहिए। आप कागज के तिरंगे को पानी में भी समर्पित कर सकते हैं। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पहला कार्य उन शहीदों,स्वतंत्रता सेनानियों व उनके उत्तराधिकारियों के प्रति सम्मान अभिव्यक्त करना होना चाहिए था,कही कही यह सम्मान हुआ भी,लेकिन ज्यादातर आजादी के इन दीवानों के परिवारों की उपेक्षा ही हुई। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार राष्ट्रीय समन्वय समिति की नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित की गई बैठक में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर युद्ध स्मारक की तरह स्वतंत्रता सेनानी स्मारक के निर्माण की मांग की है। साथ ही स्वतंत्रता सेनानी आयोग का गठन करने, केंद्र व राज्य स्तर पर सरकार में विभिन्न पदों पर स्वतंत्रता सेनानी परिवार के सदस्यों का मनोनयन,राज्य सभा व लोकसभा में प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की गई।नई दिल्ली व छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुई राष्ट्रीय समन्वय समिति की बैठक में देशभर के 22 राज्यों से चयनित 75 सदस्यों ने इन राष्ट्रीय परिवारों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया। 112 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी दादा लेखराज, वयोवृद्ध अन्य सेनानी प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति, ले. आर माधवन, अनन्त लक्ष्मण गौरव जो भारत सरकार द्वारा बनाई गई एमिनेंट कमेटी के सदस्य है व भारत भूषण विद्यालंकार ने माना कि आजादी के अमृत महोत्सव के चलते भी उन्हें पर्याप्त सम्मान नही मिल पाया है। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति (रजि.) के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानी संगठनो द्वारा स्वतंत्रता सेनानी सम्मान तिरंगा यात्रा देशभर के 283 जिलों में गत 6 अगस्त को निकाली गई है। आजादी के अमृत महोत्सव पर हर स्वतंत्रता सेनानी परिवार के द्वारा अपने पूर्वज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को सम्मान देने की दृष्टि से यह यात्रा निकाली गई है। हरिद्वार में यह यात्रा 6 अगस्त को 10 बजे देवपुरा चौक से आरंभ होकर 12 बजे शहीद जगदीश वत्स स्मारक कोतवाली के सामने पहुंची। इस सम्मान यात्रा का स्वागत करने के लिए स्थान स्थान पर धार्मिक, सामाजिक संगठनों तथा राजनीतिक दलों के द्वारा विभिन्न स्थलों पर व्यवस्था की गई थी। इस यात्रा में स्वतंत्रता सेनानी व उनके उत्तराधिकारियों के हाथों में अपने पूर्वज स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र तथा तिरंगा झंडा सज रहे थे। नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में हुई पत्रकार वार्ता के दौरान भी स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी आंदोलन की याद ताजा की और आजादी के बाद के हालात को भी बयान किया। आजादी के इस अमृत महोत्सव के अवसर पर हम अगर देश मे बढ़ते अपराधों पर नजर डालें तो आजादी बेमायने सी लगने लगती है। ऐसा लगता है जैसे अपराधी आजाद हो और आमजन गुलाम। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों अनुसार, वर्ष 2020 के दौरान अपराध के मामलों में 2019 की तुलना में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।हत्या के मामले में यूपी अव्वल है। भारत में सन 2020 में प्रतिदिन औसतन 80 हत्याएं हुईं और एक वर्ष में 29,193 लोगों का कत्ल किया गया। हत्या के मामले में राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। पूरे देश में सन 2020 में बलात्कार के प्रतिदिन करीब 77 मामले दर्ज किए गए।जबकि बलात्कार के 20 प्रतिशत मामले ही पुलिस तक पहुंच पाते है। पिछले साल दुष्कर्म के कुल 28,046 मामले दर्ज किए गए।वर्ष 2020 में कुल 66,01,285 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए, जिसमें भारतीय दंड संहिता के तहत 42,54,356 मामले और विशेष एवं स्थानीय कानून (एसएलएल) के तहत 23,46,929 मामले दर्ज किये गए। आईपीसी की धारा 188 के तहत के तहत लोक सेवकों द्वारा लागू व्यवस्था का उल्लंघन करने को लेकर वर्ष 2019 में 29,469 मामले दर्ज किये गए थे, जो वर्ष 2020 में बढ़कर 6,12,179 हो गए। पिछले साल जिन लोगों की हत्या की गई थी उनमें से 38.5 फीसदी 30-45 वर्ष आयु समूह के थे, जबकि 35.9 फीसदी 18-30 वर्ष आयु के समूह के थे।

तेजस्वी यादव की नई पहल

बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने दल के मंत्रियों के लिए एक नई आचार-संहिता जारी की है, जो मेरे हिसाब से अधूरी है लेकिन बेहद सराहनीय है। सराहनीय इसलिए कि हमारे नेता ही देश में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े स्त्रोत हैं। यदि उनमें आचरण की थोड़ी-बहुत शुद्धता शुरू होने लगे तो धीरे-धीरे भारतीय राजनीति का शुद्धिकरण काफी हद तक हो सकता है। फिलहाल तेजस्वी ने अपने मंत्रियों से कहा है कि वे बुजुर्गों से अपने पांव छुआना बंद करें। उन्हें खुद नमस्कार करें। हमारे देश में अपने से बड़ों के पांव छूने की जो परंपरा है, दुनिया के किसी भी देश में नहीं है। जापान में कमर तक झुकने, अफगानिस्तान में गाल पर चुम्मा जमाने और अरब देशों में एक-दूसरे के गालों को छुआने की परंपरा मैंने देखी है लेकिन अपने भारत की इस महान परंपरा को सत्ता, पैसा, हैसियत और स्वार्थ के कारण लोगों ने शीर्षासन करवा रखा है। देश के कई वर्गों के लोगों को मैंने देखा है कि वे अपने से उम्र में काफी बड़े लोगों से अपना पांव छुआने में जरा भी संकोच नहीं करते बल्कि वे इस ताक में रहते हैं कि बुजुर्ग उनके पांव छुएं तो उनके बड़प्पन का सिक्का जमे। बिहार और उत्तरप्रदेश में तो मंत्रियों, सांसदों और साधुओं के यहां ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं। तेजस्वी यादव इस कुप्रथा को रूकवा सकें तो उन्हें यह बड़ा नेता बनवा देगी। तेजस्वी ने दूसरी सलाह अपने मंत्रियों को यह दी है कि वे आगंतुकों से उपहार लेना बंद करें। उनकी जगह कलम और किताबें लें। कितनी अच्छी बात है, यह? लेकिन नेता उन किताबों का क्या करेंगे? किताबों से अपने छात्र-काल में दुश्मनी रखनेवाले ज्यादातर लोग ही नेता बनते हैं। तेजस्वी की पहल पर अब वे कुछ पढ़ने-लिखने लगें तो चमत्कार हो जाए। वरना होगा यह कि वे किताबें भी अखबारों की रद्दी के साथ बेच दी जाएंगी। डर यह भी है कि अब मिठाई के डिब्बों की बजाय किताबों के डब्बे मंत्रियों के पास आने लगेंगे और उन डिब्बों में नोट भरे रहेंगे।

खालिस्तान का होगा खात्मा

लेखक -सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

केंद्र सरकार खालिस्तानी नेटवर्क और ड्रग ट्रैफिकिंग मॉड्यूल के खिलाफ ऐक्शन लेने की तैयारी में है। गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य जांच एजेंसी को दिल्ली से सटे 5 राज्यों में खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय ने यह फैसला एनआईए, ईडी, आईबी और रॉ के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया है। बैठक में दिल्ली पुलिस समेत पांच राज्यों की पुलिस मौजूद थी। जांच एजेंसी खालिस्तानी एक्टिविटी पर नजर रखेगी और उनके ऊपर केस दर्ज करेगी। दरअसल, कुछ महीने दिल्ली और आसपास के राज्यों में विस्फोटक बरामद हुए थे। ईडी और आईबी को आशंका है कि उनके पीछे आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद खालिस्तानी संगठनों का हाथ है। जांच एजेंसी के मुताबिक ये संगठन देश में बड़े हमले को अंजाम देना चाहते हैं। उसके लिए इन संगठनों को विदेशों से फंडिंग हो रही।

एनआईए इसकी भी जांच करेगी कि इन संगठनों को विदेशी फंडिंग कहां से आ रही है। केंद्र सरकार ने 5 खालिस्तानी संगठन को अपना टारगेट बनाया है। इनमें खालिस्तानी लिबरेशन फ्रंट, बब्बर खालसा इंटरनेशनल, सिख यूथ फेडरेशन, सिख फॉर जस्टिस और खालिस्तान टाइगर फोर्स आदि संगठन शामिल हैं। इन संगठनों पर केस दर्ज करने के लिए केंद्र सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके चलते खालिस्तानी संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक एनआईए ड्रोन के जरिये हथियार, आईईडी, विस्फोटक भेजने पर खालिस्तानी गैंग और उससे जुड़े संगठनों पर नजर रखेगी। खालिस्तानी नेटवर्क पर सरकार का सख्त रवैया बिल्कुल सही है। भारत ने करीब डेढ़ दशक तक पंजाब के आतंकवाद को झेला है और इसकी भारी कीमत चुकाई है। हजारों निर्दोष भारतीय नागरिक आतंकवादियों की हिंसा का शिकार हुए। अब इस दौर में खालिस्तान की मांग करने वालों की आवाज उस देश से आई है जो आतंकवाद के खात्मे में हर तरह से भारत के साथ होने का दावा करता रहा है और खुद भी इसके खतरों से दो-चार रहा है। सिख फॉर जस्टिस यूरोप के कई देशों में सक्रिय है। अमेरिका और कनाडा में इसके तार हैं। भारत को उन देशों की सरकारों पर भी दबाव बनाना होगा जहां खालिस्तान के नाम पर आज भी गतिविधियां जारी हैं। लंदन में खालिस्तान समर्थकों की रैली को लेकर सवाल तो उठता ही है कि ब्रिटेन की सरकार ने यह जानते हुए भी कि खालिस्तान की मांग भारत की एकता-अखंडता पर हमला है, इस रैली के लिए इजाजत दी! पंजाब के साथ पूरे देश ने खालिस्तान का खौफनाक और जानलेवा दौर देखा है। पंजाब के शहरों की तंग गलियों से खाड़कुओं को, नंगी तलवारें और रिवॉल्वर, बंदूक के साथ, भागते देखा है। उस समय जांबाज पुलिस अफसर केपीएस गिल के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने ही खालिस्तान आंदोलन की कमर तोडड्रे का बड़ा काम किया था। भिंडरावाला सरीखे आतंकी को ढेर कर दिया था। खालिस्तान आंदोलन ने इस देश को कई गहरे घाव दिए हैं। खालिस्तान आंदोलन ने ही देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्याएं की थीं। लिहाजा अब कोई भी सोच या साजिश हो, हम खालिस्तान को करवट लेते नहीं देख सकते। खालिस्तान आंदोलन ने पंजाब को बहुत नुकसान पहुंचाया है।

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते। इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

प्रसंगतः ज्ञान का ढिंढोरा

आध्यात्मिक विभूति श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार से मिलने कलकत्ता के एक धनाढ्य परिचित पहुँचे। उन्होंने कहा, 'जब मैं किसी तीर्थ में जाता हूँ, तो दान अवश्य करता हूँ।' उन्होंने एक अखबार भी दिखाया, जिसमें किसी को कपड़े दान करते हुए उनका चित्र छपा था। पोद्दारजी ने कहा, 'तुमने तो अपने दान को एक ही दिन में निष्फल बना डाला, जबकि दान का पुण्य तो लंबे समय तक मिलता है। धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि जो प्रशंसा या किसी बदले की इच्छा से दान करता है, वह उसका पुण्य फल कदापि नहीं प्राप्त कर सकता।' उन्होंने कुछ क्षण रुककर कहा, 'पद्मपुराण में कहा गया है कि मानव को धन-संपत्ति भगवान् की कृपा से प्राप्त होती है, इसलिए इसका उपयोग अपने परिवार के पालन-पोषण में सतर्कता से करना चाहिए। उसका अत्यधिक भाग यज्ञ आदि धार्मिक कार्यों और अभावग्रस्त लोगों की सेवा - सहायता में लगाना चाहिए। यह मानकर दान करना चाहिए कि भगवान् की चीज भगवान् को ही अर्पित की जा रही है। यदि कोई अहंकार में अपने को बड़ा धर्मात्मा प्रकट करने के लिए दान करता है, तो वह पुण्य की जगह पाप का भागी बनता है।' पोद्दारजी कहते हैं, 'जो व्यक्ति निष्काम सेवा सहायता करता है, प्रभु उसी पर कृपा-दृष्टि रखते हैं। जो आदमी लालसा में सेवा का प्रदर्शन करता है, उसे ढोंग मानना चाहिए। इसलिए कहा गया है कि एक हाथ से किसी को दान देते वक्त दूसरे हाथ को भी इसका पता नहीं चलना चाहिए। गुप्तदान को शास्त्र में सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है।'

गुजरात के हिंदुओं को भी है जीने का अधिकार!

लेखक-विनोद बंसल (ईएमएस)

संपूर्ण विश्व कभी भूल नहीं सकता 27 फरवरी, 2002 की वह कालिखमयी भोर, जब गुजरात के गोधरा स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस की एक बोगी धू-धू कर जल रही थी। अंदर फंसे स्त्री, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग चीत्कार कर रहे थे। सोते हुए रामभक्तों से भरी रेल की उस बोगी को षडयंत्र पूर्वक जलाकर उसमें सवार 59 निर्दोष कारसेवकों की किस तरह नृशंस हत्या की गई, कौन नहीं जानता। वे सभी कारसेवा करके अयोध्या से लौट रहे थे। हिंदू समाज के रोष, या यूं कहें कि क्रिया की प्रतिक्रिया के परिणाम स्वरूप गुजरात में कुछ घटनाएं हुईं और संपूर्ण हिंदू समाज उसमें उठ खड़ा हुआ। उसी दौरान की घटना है जिसके तहत बिलकिस बानो से बलात्कार और कुछ लोगों की हत्या के आरोप में 11 हिंदुओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उस सजा की अवधि पूरी होने से पूर्व सामान्य न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार देश की सबसे बड़ी अदालत ने, उनके आचरण के आधार पर, कारावास की अवधि को कम करके, उनको जाने की अनुमति दी। कहा कि सरकार चाहे तो उनको सामान्य जीवन जीने दे सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा यदि सरकार इस बारे में नहीं सुनती तो आप हमारे पास वापस आ सकते हैं। इसके बाद राज्य सरकार ने यह प्रक्रिया पूरी की। जेल से बाहर आते ही, जैसा कि स्वाभाविक है उनके परिजन, पड़ोसी, मित्र, रिश्तेदार, स्वागत के लिए पहुंच गए। कुछ ने प्रसाद तो कुछ ने मिठाई खिलाई। किंतु, उस पर जिहादी व सेक्युलर ब्रिगेड तथा उसके साथियों को तीखी मिर्ची लगी। कहने लगे कि जो लोग जेल से छूटे हैं वे तो बलात्कारी हैं, हत्यारे हैं। ऐसा कैसे हो गया। वे बाहर कैसे आ सकते हैं। स्वागत कैसे हो सकता है...। इत्यादि बातें उन सभी को पुनः दोषी सिद्ध करने के लिए प्रारंभ हो गईं। यह स्मरणीय है कि जिन लोगों ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार, राज्य पुलिस, और राज्य शासन-प्रशासन पर भरोसा व्यक्त न करते हुए मामले की सुनवाई पास के राज्य महाराष्ट्र में किए जाने की जिद पकड़ी थी, उनकी बात मानी भी गई। वे फिर भी आज उसी राज्य सरकार को कोसने लगे हैं। पूरी सुनवाई महाराष्ट्र में हुई। मुंबई हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया। मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा। वहां से अंतिम निर्णय मिला। अब सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य सरकार की आम माफी योजनांतर्गत ही उन्हें छोड़ा गया है। ऐसे में सेक्युलर ब्रिगेड को नहीं पच रहा कि कोई गुजरात का हिंदू शांति और स्वाभिमानी जीवन जी सके। एक बार फिर वे उन सबके लिए फांसी का फंदा लेकर खड़े हैं। प्रश्न उठता है कि न्यायालय द्वारा दिया गया यह समाधान क्या पहली बार था! नहीं, देश में अनेक बार इससे भी ज्यादा गंभीर अपराधों के लिए न्यायालय ने क्षमादान दिए हैं। हजारों ऐसे लोगों को पूर्व में भी जेलों से विभिन्न राज्यों में छोड़ा जा चुका है। इस बार भी 15 अगस्त को ही हजारों कैदियों को आम माफी योजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य सरकारों ने छोड़ा है। किन्तु, किसी ने आज तक नहीं पूछा कि उनमें कितने मुसलमान थे, बलात्कारी थे, हत्यारे थे... इत्यादि। राजीव गांधी के हत्यारों को भी छोड़ा जा चुका है। वे तो देश के प्रधानमंत्री थे। राजनेताओं ने अनेक आतंकियों तक को छुड़वा दिया है। पूर्व की उत्तर प्रदेश की सरकार ने तो दुर्दांत आतंकवादियों के केस भी खुलेआम वापस ले लिए थे, क्योंकि वे सब मुस्लिम थे! जो लोग इस घटना पर महिला सम्मान या नारी सशक्तिकरण के प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों पर प्रश्न चिह्न लगा रहे हैं, वे उस समय चुप थे जब नूपुर शर्मा को सरे आम बलात्कार की धमकी दी जा रहीं थी। 'सर तन से जुदा' के नारे लगाकर सरे आम हत्या को अब भी उतारू हैं। वे तब भी चुप थे जब अजमेर शरीफ का फारुख चिश्ती सैकड़ों नाबालिग बेटियों के साथ कितने ही दिनों तक अनवरत बलात्कार करता रहा व करवाता रहा। वह तो युवा कांग्रेस का अध्यक्ष था। होठ तब भी सिले थे, जब 1995 के कुख्यात तंदूर कांड में कांग्रेस के युवा नेता ने एक युवती के टुकड़े-टुकड़े कर दिल्ली में एक पांच सितारा होटल के तंदूर में भून दिया था। वह भी तो रिहा हो गया। कश्मीर घाटी से उठी हिन्दू बहन-बेटियों की चीत्कार व मस्जिदों से उनके बलात्कार की घोषणाएं तो इन को कैसे याद हो सकती हैं। अंतर यही है न कि ये सभी हिन्दू बेटियां थीं। अरे! यहां तो विमान अपहताओं को भी विधायक बना दिया जाता है तब भी कोई चूं तक नहीं करता। लालू प्रसाद यादव जैसे सजा काट चुके नेता को तो फूल देने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री आते हैं, तब भी सब के मुंह में दही जमा रहता है। किसी को ध्यान भी नहीं होगा कि जिहादियों द्वारा गोधरा में जिंदा जलाए गए रामभक्त कार्सेवकों में कितनी मासूम बेटियां, बेटे, महिलाएं व बुजुर्ग थे। 11 लोगों की जेल से मुक्ति को लेकर जिन लोगों के पेट में दर्द हो रहा है उससे उनकी हिंदू विरोधी मानसिकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। दूसरा प्रश्न है सत्कार का। इतने लंबे काल की सजा काटने के बाद जेलमुक्त हुए लोगों के परिजनों को क्या माला पहनाने का या प्रसाद /मिठाई खिलाने का भी अधिकार नहीं है। माला नहीं तो क्या वे अपने परिजनों के लिए जेल के बाहर फांसी के फंदे लेकर खड़े होते।

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 3

उद्यमिता और स्वरोजगार के बल पर भारत की होगी 2021 की शताब्दी: दत्तात्रेय

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत उद्यमिता और स्वरोजगार के बल पर पूरे विश्व में एक मुकाम हासिल करेगा। इस क्षेत्र में लगातार हो रही प्रगति के बल पर निश्चित ही 21वी शताब्दी भारत की होगी। इस देश को दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनाने में युवा पीढ़ी का अहम् योगदान रहेगा क्योंकि भारत ही एक ऐसा देश है जहां पर 37 करोड़ युवा शक्ति है। वे सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भगवद्गीता सदन (आडिटोरियम हॉल) में स्वावलम्बी भारत अभियान के अन्तर्गत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूथ रेड क्रास की ओर से आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कुवि के गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं के कौशल विकास के लिए बनाई गई 235 लाख रुपये की लागत की कम्प्यूटर सेंटर बिल्डिंग का उद्घाटन किया और राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, शिक्षा मंत्री कंवरपाल, स्वदेशी मंच के राष्ट्रीय सहसंगठक सतीश कुमार, सांसद नायब सैनी, विधायक सुभाष सुधा, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा ने आत्मनिर्भर भारतः कौशल विकास व उद्यमिता की ओर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बढ़ते कदम विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का भी शुभारंभ किया और बारीकी से अवलोकन किया। इसके उपरांत राज्यपाल

ने ऑडिटोरियम हॉल में दीप प्रज्ज्वलित कर के उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को विकसित एवं सुदृढ़ करने में उद्यमिता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उद्यमिता की महत्ता को मद्देनजर रखते हुए दुनियाभर में 21 अगस्त का दिन विश्व उद्यमी दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज इसी उपलक्ष में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। भारत सदियों से ही नवाचारों और उद्यमिता के लिए एक इन्क्यूबेटर रहा है। प्राचीन भारत में अनेक हस्तशिल्प कौशल की संभावनाओं को तलाशा गया गया था। इनमें धातु कर्म, लोहा ढ़ालना, और भवन निर्माण से लेकर नृत्य, गीत, संगीत, हस्त शिल्प, हथ करघा तक सभी परम्परागत तरीके से सिखाए जाते थे। जिनमें आज भी उद्यमिता की अपार सम्भावनाएं हैं। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में 93 प्रतिशत संख्या असंगठित मजदूरों की है, जिसके कारण मजदूर वर्ग सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने में वंचित रह जाता है। देश में कौशलता बढ़ाकर ही मजदूरों को संगठित क्षेत्रों से जोड़ा जा सकता है। विकसित देशों की बात की जाए तो अमेरिका की बासठ (62) प्रतिशत, इंग्लैंड की अड़सठ (68) प्रतिशत, जर्मनी की पिचहतर (75) प्रतिशत तथा जापान में अस्सी (80) प्रतिशत कुशल जनसंख्या है। भारत का यह आंकड़ा चौकाने वाला है। भारत में केवल 3.8 प्रतिशत ही कुशल जनसंख्या है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समग्र, भविष्योन्मुखी, रोजगारोन्मुखी एवं कौशल विश्वविद्यालयों की परिकल्पना की गई है ये विश्वविद्यालय वास्तव में कौशलता के केंद्र होंगे।

फसल खराबे के मामलों में पारदर्शिता के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल बेहद अहमः डॉ. प्रियंका सोनी

-किसानों से मेरा पानी-मेरी विरासत पोर्टल पर भी ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण करवाने का आह्वान

-जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान बारे अधिकारियों को कारगर योजना बनाने के दिए निर्देश

हिसार, (हि.स.)। प्रदेश में फसल खराबे का आकलन करने के कार्य में पूर्ण पारदर्शिता लाने और किसानों की सहुलियत के लिए राज्य सरकार ने ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल लांच किया है। पोर्टल के माध्यम से किसान स्वयं अपनी फसल के नुकसान का ब्यौरा दे सकेंगे, जिस-के बाद निर्धारित समयावधि में नुकसान के क्षेत्र को चिन्हित किया जाएगा। उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने सोमवार को बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से फसल नुकसान की स्थिति में आवेदन, सत्यापन तथा मुआवजा वितरण के कार्य में पारदर्शिता आएगी। सोमवार को चंडीगढ़ मुख्यालय से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल तथा मेरी पानी-मेरी विरासत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाएं। उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान बारे दिए गए निदेर्शों के अनुरूप सिंचाई, कृषि, वन व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए सब-सरफेस, वर्टिकल तथा बायो ड्रेनेज की कारगर योजना बनाकर मुख्यालय का भेजें। किसानों को क्लस्टर के रूप में ऐसी योजनाओं के लिए पोर्टल पर पंजीकरण के लिए जागरूक करें। इसके अलावा उन्हें फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कृषि वानिकी तथा मत्स्य पालन के बारे में किसानों का जागरूक किया जाए। बैठक में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्वतारोही रीना भट्टी को किया सम्मानित

हिसार, (हि.स.)। भगवान परशुराम जन सेवा समिति ने नगर की पर्वतारोही रीना भट्टी को सोमवार को अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रुस की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रूस फतह कर हिसार पहुंचने पर स्वागत किया। रीना श्याम नगर की निवासी है। समिति के संरक्षक दर्शन कौशिक व संस्थापक योगेन्द्र शर्मा ने रीना के आवास पर जाकर उसे व उसके परिवार को बधाई दी। दोनों ने रीना को भविष्य में और ज्यादा कामयाब होने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर रीना ने बताया कि तिरंगा फहराने के बाद एक पल तो इतनी खुशी हुई कि आंखों में आंसू आ गये। बाकी तीन लड़कियां जो कि हैदराबाद, मध्यप्रदेश व झारखंड से थी, उस-के पहुंचने के नौ मिनट बाद पहुंची। उसने सबसे पहले चोटी पर तिरंगा फहराया।

अग्निवीर भर्ती के लिए 1400 उम्मीदवारों ने लिया रैली में हिस्सा

-हिसार, जींद, फतेहाबाद व सिरसा जिलों की सभी तहसीलों के उम्मीदवार हुए शामिल

हिसार, (हि.स.)। हिसार में अग्निपथ भर्ती रैली में सोमवार को हिसार, जींद, फतेहाबाद और सिरसा जिलों की तहसीलों के उम्मीदवारों ने भाग लिया। रैली अग्निवीर ट्रैडसमेन व तकनीकी वर्गों के लिए निर्धारित की गई थी। लगभग 2100 पंजीकृत उम्मीदवारों में से लगभग 1400 उम्मीदवारों ने रैली में भाग लिया। एआरओ भर्ती निदेशक ने उम्मीदवारों से आग्रह किया है कि मंगलवार को अग्निवीर जीडी के प्रवेश के लिए हिसार और जींद की तहसील से पंजीकरण करवाने वाले लगभग 2400 उम्मीदवार परीक्षण के लिए रैली स्थल पर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त को निर्धारित रैली खराब मौसम के कारण आयोजित नहीं की जा सकी थी। इसलिए इन उम्मीदवारों को रैली में शामिल होने का अवसर दिया गया है। उन्होंने उम्मीदवारों से अपील की कि वे प्रवेश पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग न करें क्योंकि वे स्वचालित स्कैनिंग और पहचान की विभिन्न प्रक्रियाओं में फंस जाएंगे। केवल वैध उम्मीदवारों को रैली में भाग लेने का मौका प्रदान करने के लिए सख्त जांच और प्रवेश प्रणाली स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त की भर्ती रैली के सफल अभ्यार्थियों का चिकित्सा निरीक्षण 24 अगस्त तक चलेगा।

गोल्डन लेडी रेसलिंग सुपर स्टार विनेश फौगाट का खरखौदा में स्वागत

-भारत का गौरव राजीव गांधी खेल रत्न अवार्डी विनेश फौगाट : ओमप्रकाश

सोनीपत, (हि. स.)। बर्मिघम, इंग्लैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स कुश्ती में स्वर्ण पदक जीत कर लौटी राजीव गांधी खेल रत्न अवार्डी, ओलम्पियन, गोल्डन लेडी, रेसलिंग की सुपरस्टार, तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फौगाट का खरखौदा सोमवार को पहुंची। प्रताप विद्यालय में शानदार स्वागत और सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में प्राचार्य धर्मप्रकाश आर्य ने ओलम्पियन विनेश, द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, कुश्ती कोच देवेन्द्र दहिया बुके भेंट किये। कन्या कॉलेज खरखौदा व प्रताप विद्यालय खरखौदा के प्रधान वेदप्रकाश पहलवान ने विनेश को 11हजार रुपये की माला व कुश्ती कोच द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया व वरिष्ठ कुश्ती कोच देवेन्द्र दहिया को 51सौ-51सौ रुपये की माला पहनाई। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया ने कहा कि विनेश एक बेहतरीन खिलाड़ी है, अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक प्राप्त कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का सम्मान बढ़ाया है। भारववर्ष की एकमात्र महिला खिलाड़ी है जिसने कॉमनवेल्थ गेम्स तीन बार स्वर्ण जीते हैं। अब 10 से 17 सितम्बर 2022 को सर्बिया में प्रस्तावित विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में भी विनेश स्वर्ण पदक प्राप्त कर तिरंगे का गौरव बढ़ाएगी। विनेश ओलम्पिक 2024 में भी पदक प्राप्त कर देश का नाम रोशन करेगी। प्राचार्य धर्मप्रकाश आर्य ने विनेश को पदक जीतने पर बधाई दी। विनेश ने कहा कि लड़कियां अपने आपको कमजोर ना समझें। खेलों व शिक्षा के क्षेत्र में भी कड़ी मेहनत कर अपना भविष्य संवार सकते हैं। इसलिए कड़ी मेहनत करके देश का नाम रोशन करें। विनेश ने प्रधान वेदप्रकाश पहलवान, द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्य धर्मप्रकाश आर्य व प्रताप विद्यालय प्रबंधन समिति का इस मान-सम्मान के लिए धन्यवाद किया।

अमृत योजना के तहत लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करवाया जाएः डा. कमल गुप्ता

-बोले, एक माह बाद फिर करेंगे गांव का दौरा, ढिलाई मिली तो संबंधित पर होगी सख्त कार्रवाई

हिसार, (हि.स.)। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के सभी शहरों में स्थित पार्कों एवं श्मशान घाटों में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं ताकि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अमृत योजना के तहत लंबित कार्य शीघ्र पूरे करवाएं। डा. कमल गुप्ता सोमवार को मॉडल टाऊन स्थित सेठी पार्क (मॉडल टाऊन) एवं सातरोड खुर्द श्मशान घाट का निरीक्षण करने के उपरांत नागरिकों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि शहर के वार्ड 11 से 15 के बीच स्थित विभिन्न 23 पार्कों के सौंदर्यकरण पर 89.53 लाख रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी। इस धनराशि से विभिन्न पार्कों की चारदीवारी, मेन गेट, फुटपाथ, ग्रील, पेंटिंग सहित अन्य कार्यों को पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने सातरोड़ खुर्द श्मशान घाट का निरीक्षण करते हुए बताया कि 88.67 लाख रुपये की धनराशि से शमशान घाट के मेन गेट का निर्माण, चारदीवारी की मरम्मत, बैठने के लिए बेंच, शौचालयों का निर्माण सहित लंबित कार्यों को पूरा करवाया जाएगा। मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने निगम के अधिकारियों को गांव सातरोड में अमृत योजना के तहत पेयजल की लाइन बिछाने के कार्य को शीघ्र पूरा करने की हिदायत दी है ताकि गांव में गलियों का निर्माण कार्य शीघ्र करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि वे विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए एक माह के पश्चात फिर से दौरा करेंगे। इससे पूर्व मंत्री डा. कमल गुप्ता ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के मंदिर में निशान साहिब की स्थापना एवं अनावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी महाराज एक महान संत थे। उन्होंने समाज में जातपात, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक करने का काम किया। डॉ. कमल गुप्ता ने गुरू रविदास मंदिर में विभिन्न कार्यों के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से पांच लाख रुपये व सेठी पार्क में एक लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर मेयर गौतम सरदाना, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त बेलिना लोहान, पार्षद नरेंद्र शर्मा, सतीश सुरलिया, प्रीतम सैनी, प्रवीन जैन, रामचंद्र गुप्ता, लोकेस असीजा, पंकज दीवान, कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग, एसडीओ संदीप बेनीवाल व जेई संदीप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

साढ़े छह एकड़ भूमि में करोड़ों रुपए की लागत से बनेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्सः संदीप सिंह

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। नगर पालिका हाउस की बैठक सोमवार को प्रधान आशीष चक्रपाणि की अध्यक्षता में हुई। इसमें विशेष तौर पर हरियाणा के खेल एवं युवा मामले मंत्री सरदार संदीप सिंह ने शिरकत की। इस मौके पर खेल मंत्री ने पार्षदों से बातचीत करके उनके वार्डों की समस्याओं को जाना और उन्हें जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। खेल मंत्री ने बताया कि वार्ड नंबर 8 में सरकारी बॉयज स्कूल के पास खाली पड़ी नगर पालिका की जगह में छोटा इनडोर हॉल बनाया जाएगा। जिसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, जिमनास्टिक, एथलेटिक्स सहित अन्य कई खेलों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। खेल विभाग ने इसका बजट तैयार कर लिया है। फिलहाल यह जगह खंडहर पड़ी हुई है। नगरपालिका पार्षदों ने भी इस भूमि पर इनडोर हॉल बनाने की सहमति का प्रस्ताव पास किया। खेल मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि गोचरान के पास खाली पड़ी नगर पालिका की लगभग साढ़े छह एकड़ भूमि में करोड़ों रुपए की लागत से स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जाएगा। जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जल्द ही इस काम को भी आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बैठक में मौजूद एसडीएम सोनू राम को निर्देश देते हुए कहा कि रेहडियों को सड़क से थोड़ा पीछे करवा कर व्यवस्थित ढंग से लगवाने के लिए संबंधित वार्ड पार्षद को साथ लेकर रेहड़ी संचालकों एवं दुकानदारों से बात करें। उनका प्रयास है कि रास्तों से अतिक्रमण हटे और रास्ते खुले हों। इसके अलावा शहर में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों के लिए पार्किंग के विकल्प भी तलाश किए जाएं। खेल मंत्री संदीप सिंह ने शिवा मार्केट फोर मरला कॉलोनी सहित अन्य जगहों से पानी निकासी के लिए बनाए गए प्लान को आगे बढ़ाने के निर्देश भी नपा अधिकारियों को दिए ताकि अगले वर्ष के मानसून सीजन से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के कार्य को पूरा किया जा सके। नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि ने खेल मंत्री के समक्ष मांग रखी कि ऑनलाइन प्रक्रिया होने के कारण स्ट्रीट लाइट एवं अन्य मरम्मत कार्यों के अधिकतर टेंडर बाहर की कंपनियां ले लेती हैं। बाद में खराबी आने पर मरम्मत के लिए सुनवाई नहीं होती। इसलिए सरकार से बात करके की जाए कि बाहरी कंपनियों की बजाय स्थानीय को मरम्मत आदि के टेंडर दिए जाएं।

भारतीय नौ सेना पेंशन विशेषज्ञों की टीम 26 अगस्त को पहुंचेगी कैथल

कैथल, (हि.स.)। जिला सैनिक बोर्ड के कल्याण अधिकारी सेवानिवृत कर्नल चांद सरोहा ने बताया कि कमांड रेजिमेंटल सिस्टम ऑफिसर (मध्य) भारतीय नोसेना से प्राप्त जानकारी अनुसार पेंशन विशेषज्ञों की टीम 26 अगस्त को 2 बजकर 30 मिनट पर कैथल में दौरा करेंगी। इस निर्धारित दिन में नोसेना से सेनानिवृत सभी पूर्व सैनिक एवं विधवाएं अपनी पेंशन संबंधित जानकारी हासिल कर सकते हैं। विशेषतौर पर स्पर्श से संबंधित पेंशन की जानकारी दी जाएगी।

भिवानी जिला को मिले 58 चिकित्सक, 32 ने किया ज्वाईन

भिवानी, (हि.स.)। जिला में बिगड़ी स्वास्थ्य सेवाएं अब जल्द ही पटरी पर लौटेगी। स्वास्थ्य विभाग को 58 नए चिकित्सक मिले हैं और इनमें से 32 चिकित्सकों ने पदभार ग्रहण भी कर लिए है। शेष चिकित्सक भी जल्द कार्यग्रहण करेंगे। नवनियुक्ति चिकित्सक आने से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बनी चिकित्सकों की कमी काफी हद तक दूर हो जाएगी। इससे स्वास्थ्य विभाग ग्रामीणों को भी बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवा सकेगा। जिले में लगभग 140 चिकित्सकों की कमी बनी हुई थी। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से पटरी से उतरी हुई थी। भिवानी सिविल अस्पताल में भी चिकित्सकों के लगभग डेढ़ दर्जन पद रिक्त पड़े हुए थे। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से चिकित्सकों को डेपुटेशन पर बुलाया जाता था। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी केवल स्टाफ नर्स व फार्मासिस्ट पर ही रहती है। ऐसे में मरीजों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में पहुंचना पड़ रहा है, लेकिन चिकित्सकों की नियुक्ति के बाद जहां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होगी वहीं सिविल अस्पताल में भी मरीजों को पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधा मिल सकेगी। भिवानी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने बताया कि भिवानी जिला के खरक कलां स्थित सीएचसी सेंटर में अभी चिकित्सक की नियुक्त नहीं हो पाई है, लेकिन यहां भी जल्द ही चिकित्सक की नियुक्ति की जाएगी।

कांग्रेस को खत्म करने का पुण्य भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मिलेगा : कैप्टन अभिमन्यु

भिवानी, (हि.स.)। पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु सोमवार को भिवानी पहुंचे। भिवानी में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने आने वाले पंचायत चुनाव जीतने का मंत्र उन्हें दिया। बैठक के बाद कैप्टन अभिमन्यु ने पत्रकारों से रूबरू हुए और कहा कि पंचायत से लेकर ब्लॉक और जिला परिषद के चुनाव होने है। उसी दृष्टि से संगठन ने उन्हें भेजा है। चुनाव मजबूती से लड़ा जाए इसलिए आज यहां कार्यकर्ताओं की बैठक ली है। कैप्टन अभिमन्यु ने कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस अब समाप्ति की ओर है और उस-की समाप्ती का पुण्य पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मिलेगा। उन्होंने जीवन भी यह बहुत अच्छा कार्य किया है। चुनाव सिंबल पर लडऩे बारे पूछे जाने पर बोलते हुए प्रभारी कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि इसको लेकर अभी बैठक होनी है। मण्डल स्तर पर बैठक होगी और उसके बाद कोई निर्णय हो पायेगा। कैप्टन ने कहा कि कांग्रेस से कई नेता अब लगातर बीजेपी में शामिल हो रहे है। आम आदमी पार्टी के नेताओ द्वारा भाजपा पर ईड़ी व सीबीआई के दुरुपयोग बारे बयान देने पर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी उस समय नरेंद्र मोदी व अमित शाह से लगातार पूछताछ होती थी, वे जांच में सहयोग करते थे सच्चाई सामने आ गई। उन्होंने अभी भी कहा कि सचाई कभी भी छुपती नही है। सच्चाई अब भी नही छुपेगी।

जालौर के स्कूली छात्रा केस में आरोपी को फांसी की मांग

यमुनानगर, (हि.स.)। राजस्थान प्रदेश के जालौर जिला में छुआछूत के कारण मासूम बच्चे को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। जिसके रोषस्वरूप भारतीय वाल्मीकि आदि धर्म समाज संगठन के कार्यकताओं ने सोमवार को लघु सचिवालय के सामने प्रदर्शन कर जिला उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। प्रदर्शन कर रहे संगठन के सदस्यों का कहना था कि इस आरोपी को फांसी की सजा हो। इस मौके पर आप पार्टी के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण विनायक का कहना है कि राजस्थान जालौर जिला में आजादी के 75वें अमृत महा उत्सव पर जहां देश उत्सव मना रहा है वहीं राजस्थान में आज भी छुआ छूत के कारण मासूम बच्चे की कि हत्या की जा रही है। हम सभी इसका विरोध करते है। उन्होंने कहा कि जालौर जिले में सरस्वती विद्यालय में एक दलित बच्चे ने एक पानी के मटके को छू लिया और उसको छूने की सजा अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। विद्यालय के मुख्य अध्यापक छेलसिंह ने अपनी गंदी मानसिकता दिखाते हुए उस बच्चे को जान से मार दिया।

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 4

इमरान खान की हो सकती है गिरफ्तारी, आवास के आसपास बढ़ाई गई सुरक्षा

इस्लामाबाद.(हि.स.)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के आसार बढ़ गए हैं। पूर्व पीएम को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत केस दर्ज होने के बाद उनके आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आवासीय क्षेत्र बानी गाला के आसपास असामान्य हलचल देखी गई है। वहीं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरेशी ने दावा किया है कि सरकार इमरान खान को कभी गिरफ्तार कर सकती है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ भाषण के दौरान पुलिस, जज, पाकिस्तान के चुनाव आयोग और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को धमकाने के आरोप में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि इमरान के भाषण ने पुलिस, जजों और देश में भय और अनिश्चितता फैला दी थी। इमरान ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार अपने सहयोगी शहबाज गिल के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शीर्ष पुलिस अधिकारियों, एक महिला मजिस्ट्रेट, पाकिस्तान के चुनाव आयोग और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की धमकी दी थी। इससे पहले गृह मंत्री सनाउल्लाह ने कहा कि सरकार इमरान खान के खिलाफ कोई भी मामला शुरू करने से पहले कानूनी परामर्श कर रही थी। वहीं, पाकिस्तान इलेक्ट्रानिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने शनिवार को इमरान खान के भाषणों के लाइव प्रसारण पर रोक लगा दी है।

चीन नहीं कर रहा सीमा समझौतों का सम्मान, गलवान घाटी के झड़प का असर कायम : जयशंकर

साउ पाउलो (हि.स.)। चीन के रवैये के चलते गलवान घाटी में हुए झड़प का असर अभी भी दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य नहीं होने दे रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ संबंधों पर चिंता जताते हुए कहा कि चीन सीमा समझौते का सम्मान नहीं कर रहा है। ब्राजील के साउ पाउलो में भारतीय समुदाय की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्री ने चीन के संबंधों पर यह बात कही। इस समय एस जयशंकर फिलहाल ब्राजील, पराग्वे और अर्जेंटीना के दौरे पर हैं। एस जयशंकर ने कहा कि चीन से 1990 में समझौता किया था, जिसके मुताबिक सीमा क्षेत्रों में सेनाओं का लाना प्रतिबंधित है, लेकिन चीन इसका पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों ने देखा कि गलवान घाटी में क्या हुआ। वहां पर जो घटना हुई उसकी परछाई आज तक दोनों देशों के रिश्तों पर भारी पड़ रहे हैं। भारत और चीन के चीन के बीच बॉर्डर पर मौजूदा हालात के बारे में बात करते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि ताली सिर्फ एक हाथ से नहीं बजती है। इसके लिए जरूरी है कि दोनों तरफ से रिश्ते निभाए जाएं। इस मौके पर एस जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों को धन्यवाद भी अदा किया। उन्होंने कहा कि यहां के भारतीय लोग दोनों देशों के रिश्तों में सहयोग की भावना विकसित कर रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा वो हमारे पड़ोसी हैं। सभी लोग चाहते हैं कि पड़ोसियों के साथ रिश्ते अच्छे हों। लेकिन हर रिश्ते की एक मूलभूत शर्त होती है। आप मेरा सम्मान कीजिए, मैं आपका सम्मान करूंगा। एस जयशंकर ने कहा कि हमारी तरफ से बात बिल्कुल स्पष्ट है। हम ऐसे ही संबंध बनाते हैं, जहां रिश्तों में आपसी सम्मान हो। इसके साथ हम दूसरे पक्ष से भी उम्मीद करते हैं वह भी ऐसा ही सोचता हो। गौरतलब है कि अप्रैल-मई 2020 में चीन के साथ विभिन्न सीमावर्ती इलाकों पर विवाद हुआ था। उसके बाद जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हिंसक संघर्ष के बाद हालात और कठिन हो गए थे।

झापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर बमबारी यूरोप के लिए बनी चिंता का सबब

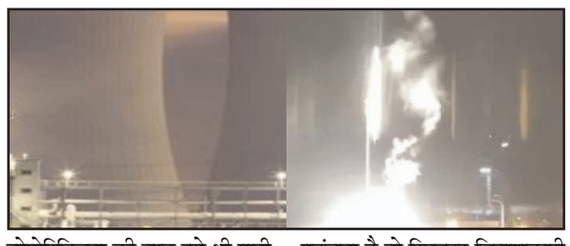

लंदन (ईएमएस)। यूक्रेन के झापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर रूस का कब्जे हो गया और वहां हाल में बमबारी तेज होने से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। यूक्रेनी कर्मी सख्त नियंत्रण और दबावपूर्ण स्थितियों में इस बड़े संयंत्र का संचालन कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन हमले जारी रहने और नुकसान के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस संघर्ष में गलत सूचनाओं और फर्जी खबरों ने एक अहम भूमिका निभाई है और इसलिए अभी यह पता नहीं है कि हालात क्या हैं। अभी इसकी संभावना नहीं लगती कि दोनों पक्षों में से कोई भी यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाना चाहेगा, जिससे कि रेडियोधर्मी पदार्थ का रिसाव हो। संयंत्र में काम करने वाले यूक्रेनी कर्मियों ने दावा किया कि रूस जानबूझकर गैर-महत्वपूर्ण उपकरणों को निशाना बना रहा है। परमाणु संयंत्र पर जानबूझकर हमला किए जाने से अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन होगा। यह संयंत्र चेर्नोबिल की तरह नहीं है, जो दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु आपदा वाली जगह है। चेर्नोबिल एक पुराने रिएक्टर की तरह था। झोपोरिज्जिया की तरह इसे भी पानी से ठंडा किया जाता है, लेकिन इसमें न्यूट्रोन अनुशोधन के लिए बड़ी मात्रा में ग्रेफाइट मौजूद होता है। न्यूट्रोन अनुशोधन रिएक्टर के संचालन के लिए अनिवार्य होता है। जब चेर्नोबिल रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो पानी गर्म हो जाता है और शीतलन की दृष्टि से कम प्रभावी हो जाता है। हालांकि, ग्रेफाइट लगातार न्यूट्रोन्स का अनुशोधन करता रहता है, जिससे रिएक्टर पावर सक्रिय और तापमान अनियंत्रित हो जाता है। झोपोरिज्जिया में दुनियाभर के रिएक्टरों की तरह अगर कोई रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो कूलिंग और अनुशोधन दोनों ही कम हो जाता है और इसलिए रिएक्टर ऊर्जा भी कम हो जाती है। परमाणु इंजीनियर इसे रिएक्टर के सुरक्षित डिजाइन के लिए अहम मानते हैं। लेकिन अगर हमलों में परमाणु सामग्री या सुरक्षा के लिए अहम उपकरणों को नुकसान पहुंचता है तो रिएक्टर विनाशकारी हो सकता है। इससे बड़ी मात्रा में हानिकारक परमाणु सामग्री हवा में घुलती है, जिससे बड़े पैमाने पर जमीन और जल आपूर्ति दूषित होने का खतरा होता है। संयंत्र उच्च क्षमता वाली इमारतों से घिरे होते हैं। इन्हें संयंत्र के भीतर और बाहर धमाकों से बचाने के लिए बनाया जाता है। हालांकि, आधुनिक संयंत्रों को विमान से किए जाने वाले हमलों से बचाने के लिए बनाया गया है। सबसे बड़ी चिंता बाहर ईंधन के लिए बने कूलिंग पूल हैं, जहां अत्यधिक रेडियोधर्मी पदार्थ का पानी में भंडार किया जाता है। इनमें से किसी पर भी अगर सीधे हमला किया जाता है तो रेडियोधर्मी पदार्थ के वातावरण में फैलने की आशंका होती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बंद होने के बाद भी पम्प और पाइप जैसे सुरक्षा उपकरण अहम होते हैं। झापोरिज्जिया के छह रिएक्टरों में से तीन अभी बंद हैं।

सिंगापुर में समलैंगिकता नहीं होगी अपराध, पीएम ने धारा 377ए को शीघ्र समाप्त करने का ऐलान किया

बैंकाक (ईएमएस)। सिंगापुर में समलैंगिकता अब अपराध नहीं होगी। सिंगापुर सरकार ने रविवार को इस संबंध में ऐलान किया। विवाह की परिभाषा की रक्षा करते हुए औपनिवेशिक काल के कानून को समाप्त कर पुरुषों के बीच यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से बाहर करेगा। सिंगापुर के वार्षिक नेशनल डे रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ली सिएन लूंग ने कहा कि उनका मानना है कि यह अब करने के लिये सही काम है, जिसे देश के अधिकतर लोग स्वीकार करेंगे। लूंग ने अपने संबोधन में कहा, यह कानून को मौजूदा सामाजिक मॉडल के अनुरूप लेकर आएगा और मुझे उम्मीद है कि इससे सिंगापुर के समलैंगिकों को कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये संविधान में भी संशोधन करेगी कि समलैंगिक विवाह को अनुमति देने में किसी प्रकार की संवैधानिक चुनौती उत्पन्न नहीं हो सके। लूंग ने कहा, धारा 377 ए को निरस्त करने के बावजूद हम विवाह की संस्था को बनाए रखेंगे और उसकी रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, हमें इसकी सुरक्षा करने के लिये संविधान में संशोधन करना होगा। और हम ऐसा करेंगे। यह धारा 377 ए को नियंत्रित एवं सावधानीपूर्वक निरस्त करने में हमारी मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वास्तव में धारा 377ए को कब निरस्त किया जाएगा। सिंगापुर अब एशिया में नवीनतम देश बन गया है, जिसमें एलजीबीटीक्यू समुदाय के सदस्यों के साथ भेदभाव खत्म किया जाएगा। साल 2018 में भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया था। सिंगापुर में धारा 377ए कानून के अंतर्गत अपराधियों को दो साल की सजा हो सकती है। हालांकि अभी ये सक्रिय रूप से चालू नहीं है। दशकों से इस तरह के सहमति वाले वयस्क पुरुषों के बीच ज्ञात दोष सिद्ध नहीं हुआ है और कानून में महिलाओं को शामिल नहीं किया गया है। रविवार को कई एलजीबीटीक्यू अधिकारों वाले ग्रुप की ओर से एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा गया कि वह प्रधानमंत्री ली की घोषणा के बाद चिंतामुक्त हो गए हैं। बयान में कहा गया, 'हर व्यक्ति जिसने इस कानून के जरिए बदमाशी, अस्वीकृति और उत्पीड़न को सहा है उनके लिए ली का बयान एक राहत वाली बात है।' समूह ने सरकार से संविधान में विवाह की परिभाषा बनाने के लिए धार्मिक रूढ़िवादियों के आह्वान पर ध्यान न देने का भी आग्रह किया।

भारत और इजराइल की बनाई बराक-8 मिसाइल खरीदेगा वियतनाम

-वियतनामी रक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल सितंबर में इजराइल आकर करेगा समझौता

जेरुसलम, (हि.स.)। भारत और इजराइल द्वारा बनाई गयी मिसाइल बराक-8 जल्द ही वियतनाम की सेना का हिस्सा होगी। वियतनाम ने इजराइल से बराक-8 मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। वियतनाम की वायु सेना के डिप्टी कमांडर और वायु रक्षा प्रणाली के मुखिया की अगुवाई में वियतनाम के रक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल सितंबर में इजराइल की यात्रा करेगा। इस दौरान इजराइल से बराक-8 मिसाइल खरीदने के लिए वियतनाम और इजराइल के बीच समझौता होगा। माना जा रहा है कि यह समझौता 50 करोड़ रुपये के आसपास का होगा। वियतनाम पहले से ही इजरायल में बने स्पाइडर एयर-डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा है। बराक-8 मिसाइल प्रणाली को कई तरह के खतरों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें हवाई जहाज, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, क्रूज मिसाइल और एंटी-शिप मिसाइल शामिल हैं।

इसे जमीन पर या समुद्र में तैनात किया जा सकता है। बराक-8 मिसाइल को इजराइल और भारत ने साथ मिलकर बनाया है। 70 किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली इस मिसाइल को इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और भारत के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने एक साथ मिलकर डिजाइन किया है। बराक-8 का निर्माण भारत डॉयनामिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और राफेल एडवांस डिफेंस लिमिटेड करते हैं। 2016 से यह मिसाइल भारत, इजराइल व अजरबैजान में प्रयोग की जा रही है। बराक-8 मिसाइल भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के पास है। इसके अलावा इजराइली नौसेना और अजरबैजान की वायु सेना इस मिसाइल का इस्तेमाल करती हैं।

अमेरिका के अर्कांसस प्रांत में पुलिस का बर्बर चेहरा वायरल वीडियो में दिखा, 3 अधिकारी निलंबित

अर्कांसस (ईएमएस)। अमेरिका में पुलिस के अमानवीय व्यवहार को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। ताजा घटना अर्कांसस प्रांत का यहां पुलिस की बर्बरता का एक वीडियो सामने आया है। जिसके बाद अर्कांसस की क्रॉफर्ड काउंटी में तीन पुलिस अधिकारियों को छुट्टी पर भेजा गया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्हें पार्किंग में एक आदमी को पीटते हुए दिखाया गया है। गवर्नर ने कहा कि स्टेट पुलिस इस घटना की जांच करेगी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक पुलिस अधिकारी बार-बार और बेरहमी से एक शख्स को घूंसा मारता है और कई बार सीमेंट की फर्श पर उसका सिर पटक देता है। एक अन्य पुलिस अफसर गिरे हुए शख्स के शरीर के निचले हिस्से पर बार-बार लात मारते हुए दिखाई दे रहा है। जबकि एक तीसरा पुलिस वाला उस आदमी को नीचे दबाए हुए दिखाई दे रहा है। इनमें से दो पुलिस अधिकारी क्रॉफर्ड काउंटी शेरिफ कार्यालय में नियुक्त हैं और तीसरा मलबरी शहर के पुलिस विभाग का एक अफसर है। अर्कांसस के गवर्नर असा हचिंसन ने कहा कि स्टेट पुलिस इस अरेस्ट की घटना की जांच करेगी। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि मैंने अर्कांसस स्टेट पुलिस के कर्नल बिल ब्रायंट से बात की है और क्रॉफर्ड काउंटी में लोकल अरेस्ट की घटना की जांच वीडियो सबूत और अभियोजन पक्ष के वकील के अनुरोध के अनुसार की जाएगी। जबकि क्रॉफर्ड काउंटी के शेरिफ जेम्स डेमांटे ने एक बयान में कहा था कि घटना में शामिल दो डेप्युटी को जांच के नतीजे आने तक सस्पेंड कर दिया गया है। डेमांटे ने फेसबुक पर पोस्ट किए गए बयान में कहा कि वे अपने सभी कर्मचारियों को उनके कामों के लिए जवाबदेह ठहराते हैं और इस मामले में उचित कदम उठाया जाएगा। मलबरी पुलिस के एक अलग बयान में कहा कि वीडियो में कैद हुई घटना में उनका एक अफसर शामिल था। उसे स्टेट पुलिस की जांच के नतीजे आने तक प्रशासनिक छुट्टी पर भेजा गया है। एक फेसबुक पोस्ट में कहा गया कि मलबरी सिटी पुलिस विभाग इस तरह की जांचों को बहुत गंभीरता से लेता है। हम जांच के खत्म होने पर उचित कार्रवाई करेंगे।

आज का इतिहास 23 अगस्त

1514 तुर्की के सुल्तान सलीम प्रथम ने फारंस के शाह इस्माइल को शिकस्त दी.
1839 चीन के साथ युद्ध में ब्रिटेन ने हांगकांग पर कब्जा किया.
1908 नए सुल्तान एम.हाफिज ने मराकेश में मोरक्कों के अब्दुल अजीज को शिकस्त दी.
1944 रोमानिया ने हिटलर से अपना गठबंधन समाप्त कर जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1947 वल्लभ भाई पटेल उपप्रधानमंत्री नियुक्त किए गए.
1952 अरब लीग सुरक्षा समझौता प्रभावी हुआ.
1962 अमरीकी टेलस्टार उपग्रह ने अमरीका और यूरोप के बीच टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण किया.
1975 कम्युनिस्टों ने लाओस पर पूरी तरह अधिकार कर लिया.
1987 इराकी विमानों ने ईरानी पेट्रो रसायन परिसर पर जबरदस्त बमबारी की.
1991 सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी को के.जी.बी. से प्रतिबंधित कर दिया गया.
1993 डेनमार्क में गोताखोरों ने 48 वर्ष पहले डूबोए गए जर्मन यू बोट को ऊपर निकालने में सफलता हासिल की.
2002 सचिन तेंदुलकर ने सर डॉन ब्रेडमेन का रिकार्ड तोड़ा.
2004 उमा भारती ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल बलराम जाखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा. बाबूलाल गौर मध्यप्रदेश के नये मुख्यमंत्री बने.
2005 मुंबई में इमारत गिरने से 11 मरे व 14 अन्य घायल हुए.
2007 हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बनारसीदास गुप्त का निधन.

बौखलाएं चीन का लद्दाख से लेकर ताइवान तक युद्ध का मंसूबा : विशेषज्ञ

बीजिंग (ईएमएस)। ताइवान पर अपना हक जमा रहे चीन के मंसूबे ठीक नहीं है। चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख से लेकर ताइवान तक जंगी तैयारी तेज कर दी है। चीन ने भारत से लगती सीमा पर जहां घातक मिसाइलों और परमाणु बॉम्बर को तैनात कर रखा है, वहीं ताइवान के ऊपर से चीन ने मिसाइलों की बारिश की है। चीन मामलों के विशेषज्ञ गोर्डन चांग ने चेतावनी दी है कि चीन अब सशस्त्र संघर्ष की तैयारी कर रहा है और यह बहुत जल्द ही हो सकता है। उन्होंने बताया कि चीन अब सामान्य कंपनियों को भी सेना पीएलए के लिए सामान बनाने के लिए कह रहा है। ब्राउन ने चीनी विद्वानों के हवाले से कहा कि चीन के विश्वविद्यालयों से विदेशी शिक्षाकों को वापस भेजा जा रहा है जो चीन के जंग शुरू करने की तैयारी का हिस्सा प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि चीनी सेना पीएलए युद्ध के लिए तैयारी कर रही है और वह अपने प्रयासों को छिपाने का भी प्रयास नहीं कर रही है। चीन ने पिछले साल राष्ट्रीय रक्षा कानून को लागू किया है जो देशभर में लागू है। इसके तहत नागरिकों के अधिकारों को सेना को ट्रांसफर किया जा सकता है। इस कानून के बाद चीन की केंद्र सरकार की स्टेट काउंसिल अपनी शक्तियों को कम्युनिस्ट पार्टी के सेंट्रल मिलिट्री कमिशन को ट्रांसफर कर रही है जिसके प्रमुख चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग हैं। बदलाव के बाद स्टेट काउंसिल चीनी सेना की तैनाती का निरीक्षण नहीं करेगी। चीन के विशेषज्ञ जेंग झिपिंग ने साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट से बातचीत में कहा कि सेंट्रल मिलिट्री कमिशन अब औपचारिक रूप से राष्ट्रीय रक्षा नीति और सिद्धांत बना रही है। वहीं स्टेट काउंसिल सेना को सहयोग कर रही है। संशोधित राष्ट्रीय रक्षा कानून में इस बात पर जोर दिया गया है कि सभी राजनीतिक दल, सिविल समूह, उद्योग, सामाजिक संगठन, सेना और अन्य संगठनों हर किसी को राष्ट्रीय रक्षा में शामिल होना होगा।

चीन फसलों को सूखे से बचाने के लिए करेगा तकनीकी वर्षा

चोंगकिंग (ईएमएस)। चीन वर्षा के अभाव में सूखे की मार झेल रही फसलों को बचाने के लिए कृत्रिम वर्षा का सहारा लेगा। ड्रैगन रसायनों के माध्यम से (कृत्रिम) बारिश कराकर वह फसलों को भयंकर सूखे से बचाने का प्रयास करेगा। इस बीच, कारखानों में रविवार को इस बात का इंतजार रहा कि पनबिजली उत्पादन के वास्ते पानी की कमी के कारण उन्हें कहीं अपना परिचालन एक और हफ्ते के लिए बंद न करना पड़े। पिछले 61 साल में इस बार सबसे अधिक भीषण गर्मी के कारण फसलें मुरझा गई हैं तथा जलाशयों में पानी घटकर आधा रह गया है। सिचुआन प्रांत में घरों के वास्ते पानी बचाने के लिए पिछले हफ्ते कारखाने बंद कर दिये गये थे, क्योंकि पारा 45 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंचने के साथ ही वातानुकूलन की मांग बहुत बढ़ गई है। देश में 61 साल पहले वर्षा एवं तापमान का रिकार्ड रखना शुरू किया गया था। खबरों के अनुसार कृषि मंत्री तांग रेनजियान ने कहा कि अगला 10 दिन दक्षिणी चीन की धान फसल का नुकसान रोकने के लिए अहम अवधि है। उन्होंने कहा कि प्रशासन शरद ऋतु में फसल कटाई सुनिश्चित करने के लिए आपात कदम उठाएगा। तांग के मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रशासन रसायनों की मदद से बादल तैयार करके बारिश बढ़ाने की चेष्टा करेगा तथा वाष्पोर्त्सन को कम करने के लिए खड़ी फसल पर पानी सहेजने वाले एजेंट का छिड़काव करेगा।

बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज लोगों को संबोधित करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 5

रोजाना पन्द्रह करोड़ का कारोबार, एक लाख लोगों को मिल रहा रोजगार

-जीएसटी में राहत मिले तो अधिक फले-फूले अजमेर जिले की आर्थिक रीढ़

अजमेर/जयपुर, (हि.स.)। एशिया की सबसे बड़ी मार्बल मंडी के नाम से जानी जाने वाली किशनगढ़ की मार्बल मंडी में चिप्स और क्रेजी की छोटी यूनिट से हजारों रुपए से शुरू हुआ कारोबार अब अपने शिखर पर है। किशनगढ़ मार्बल मंडी अजमेर जिले की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है। इस मंडी से राज्य सरकार करोड़ों रुपए का राजस्व अर्जित कर रही है। समय के साथ कई चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस कारोबार के जरिए हर दिन एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। यहां से देश-विदेश में रोजाना पन्द्रह करोड़ रुपये का कारोबार होता है। किशनगढ़ मार्बल मंडी की शुरूआत 50 साल पहले हुई थी। अजमेर जिले में मार्बल सिटी किशनगढ़ एनएच-8 पर स्थित है। यही इसके लिए सबसे बड़ा वरदान भी है। देश और दुनिया में नागौर जिले के मकराना का मार्बल काफी प्रसिद्ध है। मकराना का मार्बल महंगा होने की वजह से हर कोई उसे खरीद नही पाता था। ऐसे में किशनगढ़ में पचास साल पहले क्रेजी और चिप्स की छोटे स्तर की यूनिट लगाकर इस कारोबार की शुरूआत आरके मार्बल के संस्थापक अशोक पाटनी ने की थी। एनएच 8 मार्बल मंडी के लिए वरदान साबित हुआ। यहां से मकराना की कनेक्टिविटी होने से किशनगढ़ में इस व्यापार को पंख लग गए। क्रेजी और चिप्स की डिमांड

बढ़ने लगी तब कई लोगों ने किसानों से जमीन खरीद कर छोटे स्तर पर यूनिट लगाना शुरू कर दिया। साथ ही लोगों ने मार्बल के गोदाम भी बना लिए। किशनगढ़ मार्बल मंडी का आज के समय में इतना विस्तार हो चुका है कि एक दिन में इससे देख पाना मुमकिन नहीं है। किशनगढ़ मार्बल मंडी से देश के कई राज्यों में मार्बल जाता है। विदेशों में भी किशनगढ़ के मार्बल की धाक है। किशनगढ़ मार्बल मंडी एसोसिएशन में लंबे समय तक अध्यक्ष रहे विधायक सुरेश टांक मार्बल व्यवसायी हैं। वे बताते हैं कि मार्बल मंडी एनएच 8 पर स्थित होने के कारण मकराना से किशनगढ़ की कनेक्टिविटी थी। देश के कोने-कोने से व्यापारी मकराना मार्बल खरीदने के लिए आया करते थे। इनमें से ज्यादातर व्यापारी किशनगढ़ में रुका करते थे। धीरे-धीरे किशनगढ़ में मार्बल के गोदाम, गैंगसा यूनिट खुलते गए और व्यापार तेजी से बढ़ने लगा। किशनगढ़ में एयरपोर्ट लाने को लेकर भी आर के मार्बल के निदेशक अशोक पाटनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जब लोग एयरपोर्ट आने के बावजूद हवाई यात्रा नहीं करते थे, तब आर के मार्बल के निदेशक अशोक पाटनी के आग्रह पर किशनगढ़ मार्बल मंडी एसोसिएशन ने हवाई जहाज में यात्रा करने वाले प्रत्येक यात्री के टिकट पर 1000 रुपए का अनुदान देना चालू किया। इसी कारण एयरपोर्ट अब क्रियाशील है। मंडी से प्रतिदिन 500 गाड़ियां मार्बल की लोड होकर देश के अन्य राज्यों में जाती है। रोजाना करीब 15 करोड़ का कारोबार होता है। समय के साथ अब ग्रेनाइट की भी किशनगढ़ बड़ी मंडी बन चुकी है। पचास साल पहले किशनगढ छोटा कस्बा हुआ करता था, लेकिन मार्बल मंडी पनपने के साथ ही किशनगढ़ कस्बे का भी विस्तार तेजी से हुआ है। टांक कहते हैं कि मार्बल मंडी के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्टिफिशियल मटेरियल और विट्रीफाइड टाइल्स है। वर्तमान में 18 प्रतिशत जीएसटी मार्बल और ग्रेनाइट की खरीद पर है।

केंद्र सरकार यदि मार्बल और ग्रेनाइट से 6 प्रतिशत जीएसटी भी कम करती है, तो इस व्यवसाय को बड़ा फायदा होगा। मार्बल कारोबारी जयेंद्र तिवाड़ी बताते हैं कि कई क्षेत्रों से मार्बल का कच्चा माल किशनगढ़ लाया जाता है और यहां प्रोसेसिंग कर डिमांड अनुसार अन्य राज्यों में भेजा जाता है। इटली का मार्बल भी किशनगढ़ मार्बल मंडी में आता है, जिसे प्रोसेसिंग करके अन्य राज्यों और विदेशों में भी भेजा जाता है। मार्बल पर 18 प्रतिशत जीएसटी है। जीएसटी कम होने से कारोबारियों को राहत मिलेगी। मार्बल कारोबारी शशिकांत पाटोदिया कहते हैं कि पंजाब, हरियाणा उत्तराखंड, दिल्ली और दक्षिण की तरफ भी कई राज्यों में मार्बल किशनगढ़ मंडी से जाता है। पिछले एक दशक से ग्रेनाइट का प्रचलन भी काफी बढ़ गया है।

कंपनियों के रजिस्टर्ड एड्रेस के फिजिकल वेरिफिकेशन नियमों में सरकार ने किया संशोधन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कंपनियों के पंजीकृत पते (रजिस्टर्ड एड्रेस) के फिजिकल वेरिफिकेशन के समय पारदर्शी प्रक्रिया तय करने के लिए नियमों को संशोधित किया है। अब वेरिफिकेशन के समय रजिस्टर्ड कंपनी ऑफिस की तस्वीर लेने और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी का तरीका अपनाया जाएगा। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने इसके लिए कंपनी एक्ट, 2014 के तहत निर्धारित वेरिफिकेशन नियमों को संशोधित कर दिया है और सरकारी गजट में नोटिफाई होने के साथ ही यह प्रभाव में आ जाएगा। खबर के मुताबिक, एक्ट की धारा 12 के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को अगर यह लगता है कि कोई कंपनी सही ढंग से कारोबार नहीं कर रही है, तो वह उसके रजिस्टर्ड एड्रेस का फिजिकल वेरिफिकेशन कर सकता है। इस संशोधन के साथ ही इस तरह के फिजिकल वेरिफिकेशन की प्रक्रिया निर्धारित कर दी गई है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि कंपनियों के रजिस्टर्ड एड्रेस का फिजिकल वेरिफिकेशन करते समय स्थानीय स्तर के दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी जरूरी होगी। जरूरी होने पर स्थानीय पुलिस की भी मदद ली जा सकती है। कंपनी के रजिस्ट्रेशन के समय दिए गए एड्रेस से जुड़ी इमारत के दस्तावेजों का भी परीक्षण करना जरूरी होगा। इसके अलावा उस रजिस्टर्ड एड्रेस वाली जगह की एक तस्वीर भी ली जाएगी। यह वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद संबंधित जानकारियों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। फिजिकल वेरिफिकेशन के समय अगर यह पाया जाता है कि रजिस्टर्ड एड्रेस पर पत्र-व्यवहार नहीं किया जा सकता है, तो संबंधित रजिस्ट्रार कंपनी और उसके निदेशकों को एक नोटिस भेजकर सूचना देने को कहेगा।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी सीरीज लॉन्च, 26 तक कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली, (हि.स.)। डिजिटल गोल्ड में निवेश करने के लिए इच्छुक निवेशकों के लिए आज से सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम दूसरी बार फिर लॉन्च हो गई है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान इसके पहले जून के महीने में इस स्कीम की पहली सीरीज लॉन्च हुई थी। आज से शुरू हुई दूसरी सीरीज में 26 अगस्त यानी शुक्रवार तक निवेश किया जा सकेगा।भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की दूसरी सीरीज के तहत बॉन्ड का इश्यू प्राइस (सोने की कीमत) 5,197 रुपये प्रति यूनिट (ग्राम) तय किया गया है।

पहले की तरह ही इस बार भी ऑनलाइन निवेश करने वाले और ऑनलाइन भुगतान करने वाले निवेशकों को सोने की कीमत में प्रति ग्राम 50 रुपये की छूट दी जाएगी। इस तरह ऑनलाइन निवेशकों को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की दूसरी सीरीज के तहत एक यूनिट सोने के लिए 5,147 रुपये का ही भुगतान करना होगा। इसके पहले जून के महीने में आई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की पहली सीरीज के तहत सोने की कीमत 5,091 रुपये प्रति ग्राम तय की गई थी। इस बार सोने के बाजार भाव में अंतर होने की वजह से इसकी कीमत में प्रति ग्राम 106 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। आपको बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत सोने की कीमत तय करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक लॉन्चिंग डेट (सब्सक्रिप्शन शुरू होने की तारीख) से ठीक पहले के 3 कारोबारी दिनों के दौरान के सोने के बंद भाव को आधार बनाता है। इन तीन दिनों के बंद भाव के आधार पर ही सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत इश्यू प्राइस (सोने की प्रति ग्राम कीमत) तय की जाती है। इस सीरीज का इश्यू प्राइस तय करने के लिए 17,18 और 19 अगस्त के सोने के बंद भाव को आधार बनाया गया है। इस गोल्ड बॉन्ड स्कीम में भारतीय नागरिक, हिन्दू अनडिवाइडेड फेमिली (हिन्दू अविभाजित परिवार), ट्रस्ट्स, यूनिवर्सिटीज और चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन्स पैसा लगा सकते हैं। इस स्कीम की अवधि 8 साल है। इस दौरान निवेशक को प्रतिवर्ष 2.5 प्रतिशत के फिक्स्ड रेट के हिसाब से ब्याज मिलेगा। ब्याज का भुगतान हर 6 महीने के अंतराल पर किया जाएगा। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 8 साल के लिए जरूर है, लेकिन जरूरत पड़ने पर 5 साल की अवधि पूरी होने के बाद भी इस स्कीम से पैसा निकाला जा सकता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में कोई भी निवेशक न्यूनतम 1 ग्राम सोने के लिए निवेश कर सकता है। व्यक्तिगत निवेशकों के लिए इस स्कीम के तहत निवेश की सीमा एक वित्त वर्ष में अधिकतम 4 किलोग्राम तय की गई है। इसी तरह हिन्दू अनडिवाइडेड फेमिली (एचयूएफ) के लिए भी निवेश की अधिकतम सीमा 4 किलोग्राम तय की गई है। लेकिन ट्रस्ट, यूनिवर्सिटी और चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन्स जैसी संस्थाएं 1 वित्त वर्ष में अधिकतम 20 किलो ग्राम सोने तक के लिए निवेश कर सकती हैं।

यूपीआई सेवा पर किसी प्रकार का शुल्क नहीं लगाएगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाल ही में यह खबर आई थी की यूपीआई सेवा पर शुल्क लगाया जा सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की समीक्षा कर रहा है और यूपीआई के जरिए किए जाने वाले भुगतान पर चार्ज लगा सकता है। अब वित्त मंत्रालय ने राहत भरी जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार यूपीआई भुगतान सेवा पर किसी तरह का चार्ज लगाने पर विचार नहीं कर रही है। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा कि यूपीआई एक ऐसा डिजिटल प्लैटफॉर्म है जो जनता के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है और अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान है। यूपीआई भुगतान सेवा पर किसी तरह का चार्ज लगाने का विचार नहीं किया जा रहा है। सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए कॉस्ट रिकवरी के लिए अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा। बता दें कि यूपीआई एक रियल टाइम पेमेंट सिस्टम है, जो एक बैंक के अकाउंट से दूसरे बैंक के अकाउंट में पैसा तुरंत ट्रांसफर करने की सुविधा देता है। खास बात है कि यूपीआई के जरिए रात या दिन कभी भी मनी ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई सुविधा का उपयोग करना काफी आसान है. इसके लिए आपके मोबाइल में पेटीएम, फोनपे, गूगलपे, भीम आदि कोई यूपीआई ऐप डाउनलोड करना होगा।

चावल, दाल और तिलहनी फसलों का बुआई क्षेत्र आठ फीसदी घटा

- उत्पादन कम होने से दाम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में चालू खरीफ सीजन में धान की बुआई का क्षेत्रफल घटा है। पिछले हफ्ते तक इसका रकबा 8.25 फीसदी की कमी के साथ 343.70 लाख हेक्टेयर रहा है। कृषि मंत्रालय ने बताया कि दलहन और तिलहन का बुआई क्षेत्र रकबा घटा है। मंत्रालय के अनुसार खरीफ सीजन की सभी फसलों का रकबा 1,012.99 लाख हेक्टेयर रहा है जो पिछले वर्ष की तुलना में 25.52 लाख हेक्टेयर कम है। धान एक प्रमुख खरीफ फसल है। खरीफ की फसलों की बुआई जून में दक्षिण पश्चिमी मानसून के आगमन के साथ शुरू की जाती है। सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 18 अगस्त तक देशभर में धान की बुआई इस खरीफ सीजन में 343.70 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई है जो पिछले वर्ष के 374.63 लाख हेक्टेयर की तुलना में कम है। बारिश कम होने की वजह से झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कुछ अन्य राज्यों में धान की बुआई कम हुई है। दालहन (दाल देने वाली फसलें) की बुआई का रकबा भी पिछले वर्ष की तुलना में 7.08 लाख हेक्टेयर घटकर 18 अगस्त तक 125.57 लाख हेक्टेयर रहा है. तुर, उड़द, मूंग

और कुल्थी दाल का बुआई क्षेत्र पिछले साल के मुकाबले थोड़ा घटा है। वहीं तिलहन का पिछले हफ्ते रकबा 184.42 लाख हेक्टेयर जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 185.85 लाक हेक्टेयर रहा था। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रकबा घटने के बावजूद इस पर कई फसलों का रिकॉर्ड उत्पादन होने वाला है। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा जारी अग्रिम अनुमान के मुताबिक 2021-22 में 31.5 करोड़ टन खाद्यान उत्पादन का अनुमान है जो 2020-21 से करीब 50 लाख टन अधिक है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, चावल, गेहूं, गन्ना, मोटे अनाज, दलहन और तिलहन सभी के उत्पादन पिछले 5 वर्षों के औसत उत्पादन से अधिक रहने वाला है। हालांकि, सरकार ने यह नहीं बताया है कि पिछले साल के मुकाबले इनकी क्या स्थिति है। कई रिपोर्ट्स और रकबे में कमी को देखते हुए लगता है कि 2020-21 के मुकाबले इस बार कई मुख्य खाद्यान का उत्पादन कम रहने वाला है।

सिट्रोएन सी3 कार आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार निर्माता कंपनी सिट्रोएन सी3 आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध है और बढ़ते डीलर नेटवर्क से पता चलता है कि सिट्रोएन इसके लिए तैयारी कर रही है। हाल ही में सामने आई तस्वीरों के सेट पर विश्वास किया जाए, तो फ्रांसीसी कार निमार्ता साइट्रॉन सी को फैक्ट्री फिटेट सीएनजी के साथ लॉन्च कर सकती है। एक रिपोर्ट में कार के सीएनजी वर्जन के टेस्टिंग म्यूल की तस्वीरें जारी की है। तस्वीरों में हम पूरी तरह से कैमोफ्लॉज से ढके सिट्रोएन सी3 को हैचबैक के पीछे एक टेस्टिंग किट के साथ देख सकते हैं, जो कि सीएनजी उत्सर्जन परीक्षण किट होने की उम्मीद है। सिट्रोएन सी3 को कुछ

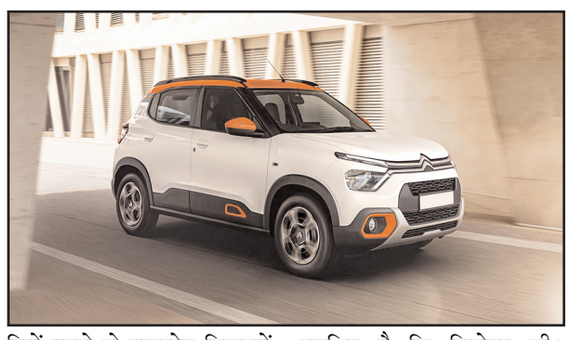

दिनों पहले दो पावरट्रेन विकल्पों के साथ लॉन्च किया गया है – एक 1.2-लीटर नेचुरली-एस्पिरेटेड 83 पीएस पेट्रोल इंजन और एक 1.2-लीटर टबोर्चार्ज्ड 110 पीएस पेट्रोल इंजन। हालांकि, यह देखते हुए कि सीएनजी-संचालित वाहनों का खंड लागत-सचेत खरीदारों को पूरा करता है, यह कहना सुरक्षित है कि सिट्रोएन सी3 सीएनजी नेचुरली-एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन को अपने आधार के रूप में इस्तेमाल करेगी। सीएनजी किट को जोड़ने के साथ, यह उम्मीद की जाती है कि सी3 सीएनजी में कम पावर और टॉर्क आउटपुट होगा, लेकिन उच्च ईंधन दक्षता के आंकड़े होंगे।

6 सितंबर को घरेलू बाजार में पेश होगी वेन्यू एन लाइन

-कॉम्पैक्ट एसयूवी को कुछ महीने पहले किया था फेसलिफ्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगले महीने 6 सितंबर को घरेलू बाजार में वेन्यू एन लाइन को पेश की जाएगी। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड की यह कार लांचिंग के लिए पूरी तरह तैयार है। यह कार निमार्ता पहले से ही कॉस्मेटिक एन्हांसमेंट, मैकेनिकल अपडेट और आंतरिक संशोधन के साथ भारत में आई20 एन लाइन बेचती है। आगामी हुंडई वेन्यू एन लाइन उसी तर्ज पर गिरेगी। कॉम्पैक्ट एसयूवी को कुछ महीने पहले फेसलिफ्ट किया गया था और इसे ग्राहकों के बीच अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह अब नवीनतम सेंसअस स्पोर्टीनेस डिजाइन फिलॉसफी के अनुरूप है, जिसके बाद विश्व स्तर पर ब्रांड आता है। इसके अलावा, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी खंड

में पैकेज को और अधिक मसाला देने के लिए नई सुविधाएँ भी पेश की गईं, जो उच्च मात्रा में प्राप्त करती हैं। हुंडई वेन्यू एन लाइन अपने आगमन पर रेंज के शीर्ष पर बैठेगी और इसे एक स्टिफर सेटअप के साथ एक ट्वीक्ड सस्पेंशन और इसे स्पोर्टियर एग्जॉस्ट सिस्टम सहित कई अपडेट मिलेंगे। इसे केवल 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर टबोर्चार्ज्ड जीडीआई पेट्रोल इंजन और सिंगल ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ पेश किया जाएगा। आई20 एन लाइन में फिलहाल सिक्स-स्पीड आईएमटी और सेवेन-स्पीड ड्यूल क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प दोनों हो सकते हैं। लेकिन, वेन्यू एन लाइन को डीसीटी के पास ही उपलब्ध कराया जाएगा।

नए नियम के बाद 62000 इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन

-नई दिल्ली में ई-वाहन नीति के 2 साल हुए पूरे

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई ई-वाहन नीति आने के बाद दो सालों में दिल्ली में 62 हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुए हैं। इन दो सालों में दिल्ली में वाहनों के कुल पंजीकरण में ई-वाहनों की भागीदारी 10 फीसदी तक पहुंच गई है। इन दो सालों के भीतर अब इलेक्ट्रिक व्हीकल्स गाड़ियों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले मार्च, 2022 में 10 फीसदी से बढ़कर 12.5 फीसदी तक पहुंच गई है। दिल्ली सरकार इसको और तेजी के साथ बढ़ाने की रणनीति तैयार कर रही है। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलौत के मुताबिक, ई-वाहन नीति से पहले दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार ई-रिक्शा द्वारा संचालित होता था। दिल्ली में कुल इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री में ई-रिक्शा का योगदान 85 फीसदी हुआ करता था। लेकिन, ई-वाहन नीति लागू होने के बाद पैटर्न बदला और लोग धीरे-धीरे चार पहिया, दुपहिया और तीन पहिया इलेक्ट्रिक

गाड़ियां भी खरीद रहे हैं। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बिक्री को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ की प्रोत्साहन राशि पेश की है, जो देश में किसी भी राज्य द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी से सबसे अधिक है। वर्ष 2022 में दिल्ली में ईवी की बिक्री प्रतिमाह कुल नई बिक्री का औसतन 10 फीसद के करीब रही है, जबकि मार्च 2022 में दिल्ली में ईवी की बिक्री में 12.5 फीसद की उच्च दर देखी गई है। यह 2019-20 के बाद एक तेज वृद्धि है, जबकि पहले कुल नए वाहन की बिक्री में ईवी का केवल 1.2 फीसद हिस्सेदारी थी। बता दें कि दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार ने दो साल पहले ई-वाहन नीति लेकर आई थी।दिल्ली सरकार के मुताबिक, इस पॉलिसी के लागू होने के बाद अब दिल्ली में बेहतर नतीजे देखे जा रहे हैं।

दैनिक पंचांग

23 अगस्त 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

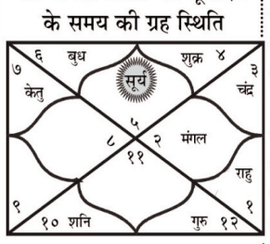

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.29 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	09.40 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	11.55 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	14.11 बजे से
गुरु	मीन में	मकर	16.16 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	18.02 बजे से
शनि	मकर में	मीन	19.35 बजे से
राहु	मेष में	मेष	21.06 बजे से
केतु	तुला में	वृष	22.46 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.44 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		कर्क	02.57 बजे से
		सिंह	05.13 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 235 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 06.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 10.44 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 00.37 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 06.08 बजे तदनन्तर कौलव 19.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 31' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871349 **जूलियन दिन** 2459814.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 24 **विशेष** अजा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि, एकादशी, मंगलवासरे, आद्रा नक्षत्रें, सिद्ध येगे, वालव करणे, मिथुन की चंद्रमा, जया (अजा) एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी, त्रिपुस्कर योग, पश्चिम दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल..... .

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर किन्तु जिद्दी-हठी, स्वतंत्र विचार का मुहफट, उद्देश्यपूर्ण करने वाला, बड़ा कुशल, उद्यमी, वक्ता-अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ तथा सैनिक, सिपाही, कमांडर होगा।

मेष :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, कार्ययोजना अवश्य बनेगी।

वृष :- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, विवादग्रस्त होने से अवश्य बचें।

मिथुन :- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक रहें, विशेष कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क :- स्वास्थ्य हानि से बेचैनी, मानसिक उद्विघ्नता, शरीर क्षमता कमजोर पड़ेगी, ध्यान रखें।

सिंह :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यवृत्ति में सुधार के योग बनेंगे, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या :- समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे किन्तु कुछ बाधा व विलम्ब अवश्य होगा।

तुला :- मानसिक क्लेश व अशांति, मनोवृत्ति मलिन रहे तथा विरोधी तत्व परेशान अवश्य करें।

वृश्चिक :- आर्थिक योजना पूर्ण हों, सफलता के साधन जुटायें, कार्य संतोष की चिन्ता होगी।

धनु :- कार्य योजना फलीभूत होगी, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, रुके कार्य बनेंगे।

मकर :- इष्ट मित्रों से सुख-ऐश्वर्य की प्राप्ति, स्त्री वर्ग से हर्ष, तनाव तथा क्लेश, अशांति बनेगी।

कुम्भ :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष एवं रुके कार्य बनेंगे।

मीन :- दैनिक कार्यगति में सुधार, प्रत्येक कार्य में बाधा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 6

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड ने बढ़ाई विश्व कप क्वालीफिकेशन की अपनी उम्मीदें, वेस्टइंडीज की राह मुश्किल

नई दिल्ली, (हि.स.)। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए सीधे क्वालीफाई करने की अपनी संभावनाओं को और मजबूत कर लिया है, जबकि वेस्टइंडीज की राह थोड़ी मुश्किल हो गई है। बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी टीम ने रॉटरडैम में नीदरलैंड को नौ रन से हराकर दूसरे स्थान पर काबिज बांग्लादेश के समान अंक हासिल कर लिया। बांग्लादेश के 120 अंक हैं। केवल नेट रन रेट के मामले में पाकिस्तान, बांग्लादेश से पीछे है। इंग्लैंड 18 मैचों में 125 अंकों के साथ सभी शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 110 अंकों के साथ तालिका में चौथा स्थान बरकरार रखा है। वहीं, वेस्टइंडीज ने अब अपने सभी 24 सुपर लीग मैच पूरे कर लिए हैं और मौजूदा तालिका में सातवें स्थान पर है। केवल शीर्ष आठ टीमें ही भारत में अगले साल होने वाले 50-ओवर के विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी, और वेस्ट इंडीज को क्वालीफिकेशन अवधि के अंत में शीर्ष आठ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। 2023 विश्व कप मेजबान के रूप में सीधे क्वालीफाई करते हुए, भारत के पास पांचवें स्थान पर काबिज अफगानिस्तान से आगे बढ़ने का मौका है। भारतीय टीम आज हरारे में अपनी श्रृंखला के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में जिम्बाब्वे को हराकर अफगानिस्तान से आगे बढ़ सकती है।

केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय से सीओए के कार्यकाल को समाप्त करने का किया आग्रह

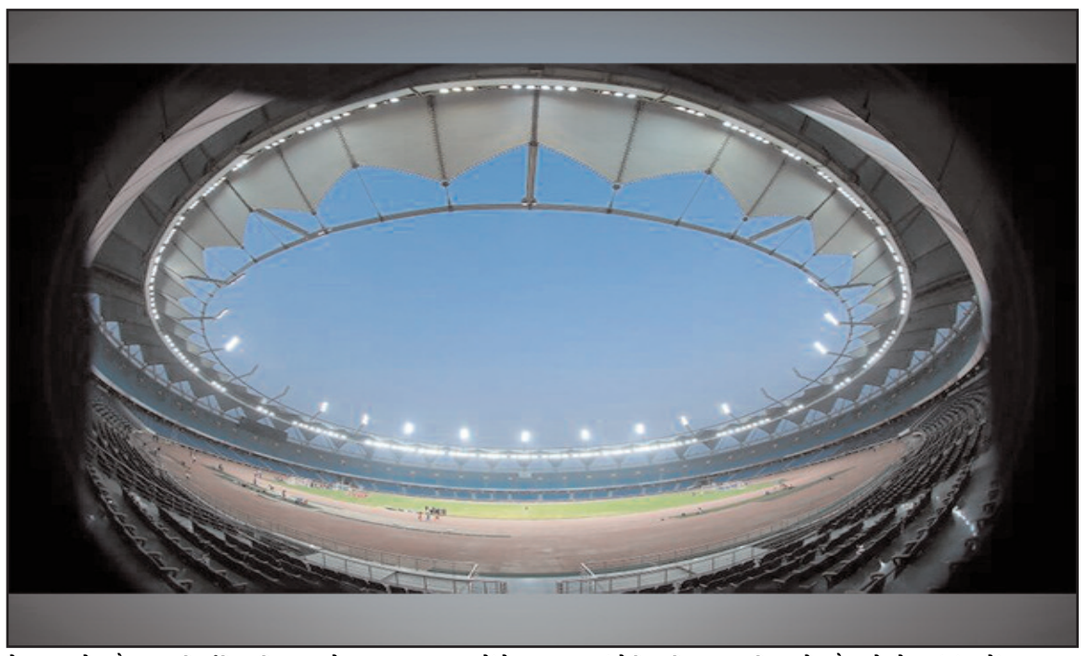

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय से प्रशासकों की समिति (सीओए) के कार्यकाल को समाप्त करने का आग्रह किया है। केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह सीओए को 23 अगस्त, 2022 के अंत तक एआईएफएफ के लिए अंतिम मसौदा संविधान अदालत में जमा करने का निर्देश दे, और सीओए के आदेश को 23 अगस्त से पूर्ण रूप से समाप्त घोषित किया जाए। बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने एआईएफएफ के मामलों के प्रबंधन के लिए तीन सदस्यीय सीओए नियुक्त किया था। हलफनामा दायर करने वाले केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि फीफा की चिंताओं में से एक यह था कि एआईएफएफ का प्रशासन और प्रबंधन एक विधिवत निर्वाचित निकाय द्वारा किया जाना चाहिए, लेकिन किसी भी मामले में किसी तीसरे पक्ष (सीओए) द्वारा नहीं और इसलिए सीओए का कार्यकाल समाप्त होना चाहिए। फीफा की चिंता यह भी थी कि एक नई कार्यकारी समिति के चुनाव कराने के लिए एआईएफएफ की आम सभा द्वारा एक स्वतंत्र चुनावी समिति (आरओ) का चुनाव किया जाए। फीफा की चिंता यह भी थी कि चुनाव जल्द से जल्द हो और एक निर्वाचित निकाय को एआईएफएफ के कामकाज का संचालन फिर से शुरू करना चाहिए। केंद्र ने फीफा की चिंता की ओर इशारा करते हुए सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि एआईएफएफ संविधान को फीफा और एएफसी की आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित किया जाना है और इसे एआईएफएफ महासभा द्वारा किसी तीसरे पक्ष (सीओए) के हस्तक्षेप के बिना अनुमोदित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि केंद्र ने एआईएफएफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के फीफा परिषद के फैसले के संबंध में उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। एआईएफएफ के निलंबन के बाद अक्टूबर में होने वाले अंडर -17 महिला विश्व कप की मेजबानी करने का अधिकार भी भारत ने गंवा दिया है।

पाक ने अंतिम एकदिवसीय में नीदरलैंड को 9 रनों से हराया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान ने तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के अंतिम मैच में नीदरलैंड को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाक बल्लेबाज असफल रहे। पाक टीम को गेंदबाजों ने अपनी शानदार प्रदर्शन से जीत दिलाई। नसीम शाह ने 10 ओवर में 33 रन देकर सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी में कप्तान बाबर आजम ने 125 गेंदों पर सबसे ज्यादा 91 रन बनाये। आजम की इस धीमी पारी से उनके नाक एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है। इसी के साथ ही आजम साल 2017 से एकदिवसीय में 80 से कम स्ट्राइक रेट के साथ सबसे अधिक बार 90 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। नीदरलैंड के खिलाफ इस बार उनका स्ट्राइक रेट 72.80 का था।

इस सूची में दूसरे स्थान पर वेस्टइंडीज के शाई होप और तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन हैं। आजम ने एकदिवसीय क्रिकेट में पिछली 10 पारियों में 837 रन बनाये हैं और इस दौरान उन्होंने 9 बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है। इसके बाद भी वह फिर भी विराट कोहली के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। विराट ने एकदिवसीय क्रिकेट की लगातार 10 पारियों में 5 बार 800 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं 2018 में वह 900 का आंकड़ा भी पार करने में सफल रहे थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के नाम 10 पारियों में 857 रनों का रिकार्ड है।

प्रज्ञानानंद ने पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराया

-17 वर्षीय प्रज्ञानानंद ने कार्लसन के खिलाफ लगातार तीसरी करियर जीत हासिल की

मियामी, (हि.स.)। भारत के रमेशबाबू प्रज्ञानानंद एफटीएक्स क्रिप्टो कप में पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराते हुए एक बार फिर अपने कौशल का लोहा मनवाया। हालांकि वह टूर्नामेंट में उपविजेता रहे। यह 17 वर्षीय प्रज्ञानानंद की नार्वे के कार्लसन के खिलाफ अपने करियर में लगातार तीसरी जीत थी। हालांकि कार्लसन ने एफटीएक्स क्रिप्टो कप का खिताब जीता। एफटीएक्स क्रिप्टो कप के फाइनल मैच में, प्रज्ञानानंद पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने कार्लसन के खिलाफ एक क्लच मोमेंट का निर्माण किया और ब्लिट्ज प्लेऑफ में उन्हें लगातार तीन गेम में हरा दिया। हालांकि अंत में प्रज्ञानानंद कार्लसन से केवल 1 अंक पीछे रहे और कार्लसन किसी तरह अपने खिताब की रक्षा करने में सफल रहे। प्रज्ञानानंद ने पहले गेम में अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने के बाद चैंपियनशिप में जीत का सिलसिला शुरू किया। लेकिन इसके बाद 17 वर्षीय प्रज्ञानानंद को वियतनामी दावेदार क्वांग लीम ले और उनके पोलिश समकक्ष जान-क्रिजस्टोफ डूडा से लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचेंगी भारत और पाक टीमें :शेन वाटसन

दुबई (ईएमएस)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है कि अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भारत और पाकिस्तान टीमें आमने-सामने हो सकती हैं। वाटसन के अनुसार डब्ल्यूटीसीलीग तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर जगह बनाने के लिए टीमों के बीच कड़ा मुकाबला है। भारतीय टीम पिछले सत्र की उपविजेता रही है। उसके अपने छह शेष डब्ल्यूटीसी मुकाबलों में से 4 ऑस्ट्रेलिया और दो मैच बांग्लादेश में खेलने हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को अपने बचे हुए सभी पांच मुकाबले अपनी धरती पर ही खेलने हैं। वाटसन का मानना है कि भारत और पाक के पास कई मैच विजेता हैं , इसलिए इन दोने के लिए फाइनल में जगह बनाना आसान रहेगा। वाटसन ने कहा कि भारतीय और पाक टीम को मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता क्योंकि इन दोनो ही टीमों के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। साथ ही कहा कि अगर वे दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पातीं तो यह हैरानी की बात होगी। अभी दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष दो स्थान पर कायम हैं। इसके बाद श्रीलंका, भारत और पाक का नंबर आता है। वाटसन से जब फाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें प्रबल दावेदार हैं क्योंकि ये दोनो ही अच्छा खेल रही हैं। वाटसन इस बात से निराश हैं डब्ल्यूटीसी देर से शुरू हुई , इस कारण उन्हें इसमें खेलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा काश मैं डब्ल्यूटीसी में खेल पाता। मेरे खेलने के दिनों में भी टेस्ट क्रिकेट में इसे शुरू करने बातें हो रहीं थीं पर इसे लागू होने से पहले ही मैंने संन्यास ले लिया था। वाटसन ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली था कि 2005 में आस्ट्रेलिया में विश्व एकादश के खिलाफ ह्यसुपर टेस्टह्व खेला जो बहुत खास था। यह मेरे द्वारा खेले गए शुरूआती टेस्ट मैचों में से एक था। उन्होंने कहा-इसका हिस्सा बनना विशेष था।

एलएलसी के दूसरे सत्र में खेलेंगे पार्थिव, प्रज्ञान सहित ये पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल सितंबर में होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के दूसरे सत्र में खेलते हुए नजर आयेंगे। पार्थिव के अलावा स्पिनर प्रज्ञान ओझा, आल राउंडर रीतिंदर सोढी और तेज गेंदबाज अशोक डिंडा भी पूर्व क्रिकेटरों की इस लीग में शामिल किये गये हैं। पार्थिव के अलावा सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, यूसुफ पठान, हरभजन सिंह, पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली, श्रीलंका के दिग्गज न स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगे एलएलसी के दूसरे सत्र में चार टीमें और 110 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भाग लेंगे। पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन और श्रीलंका के पूर्व कप्तान थिसारा परेरा भी लीग में शामिल हैं। इस टूर्नामेंट का पहला चरण ओमान में खेला गया था जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों ने खेला था।

बीबीएल टीम सिडनी थंडर के साथ खेलेंगे वार्नर

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर एक बार फिर बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते नजर आयेंगे। वार्नर ने बीबीएल टीम सिडनी थंडर के साथ दो साल का करार किया है। यह तीसरी बार है जब वार्नर थंडर की ओर से खेलेंगे। वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 96 टेस्ट, 133 एकदिवसीय और 91 टी20 खेले हैं। वार्नर ने कहा, जिस क्लब से मैंने शुरूआत की थी बिग बैश में उसी के साथ वापस जुड़ने को लेकर में बेहद खुश हूं। साथ ही कहा कि एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में मुझे जिन हालातों में खेलने का आनंद मिलता है, वे बड़े पैमाने पर अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुकाबले से मिले हैं। इस बल्लेबाज ने कहा है कि बीबीएल में योगदान कर वह आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को लाभ पहुंचाना चाहते हैं। वार्नर ने यह भी कहा कि उनके परिवार ने बीबीएल में लौटने के उनके फैसले को प्रभावित किया था। मेरी बेटियों ने तक ने मुझसे कहा है कि वे मुझे घर पर और बीबीएल में खेलते देखना पसंद करेंगी। वहीं एक परिवार के रूप में बीबीएल का हिस्सा बनकर मुझे बेहद अच्छा लग रहा है। वहीं सिडनी थंडर के मुख्य हेड कोच ट्रेवर बेलिस ने कहा कि वार्नर के करार करने से बीबीएल और थंडर नेशन पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। उसके आने से युवा खिलाड़ियों को जहां अच्छा अनुभव हासिल होगा। वहीं युवाओं को खेल से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

भारत-पाक के बाद बाग्लादेश भी जूझ रहा चोटिल खिलाड़ियों से

-27 अगस्त से शुरू होगा एशिया कप-2022

नई दिल्ली (ईएमएस)। एशिया कप 2022 से पहले चोटिल होने की वजह से भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल के बिना ही मैदान में उतरेगी। पाक खिलाड़ी शाहीन अफरीदी भी इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। इन प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर होने के बाद अब चोट का सिलसिला बांग्लादेश जा पहुंचा है। टीम के सलामी बल्लेबाज लिटन दास पहले ही एशिया कप से बाहर हो चुके हैं, वहीं नुरुल हसन भी चोटिल हैं। अब 27 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट की तैयारियों में जुटी बांग्लादेश की टीम को दो और झटके लगे हैं। अभ्यास सत्र के दौरान हसन महमूद और महेदी हसन भी इंजर्ड हो गए हैं। बांग्लादेश की टीम एशिया कप की तैयारियों में शेरे बांग्ला स्टेडियम में पसीना बहा रही है। शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान हसन महमूद और महेदी हसन को चोट लगी जिसने टीम की मुश्किलें बढ़ा दी है। महमूद को टखने पर चोट लगी, वहीं महेदी हसन को पैर में गेंद लगने की वजह से अभ्यास सत्र छोड़ना पड़ा। मेहदी हसन को कुछ दिन आराम करने की हिदायत दी गई है, वहीं महमूद की स्थिति एमआरआई स्कैन के बाद साफ हो पाएगी। बता दें, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2022 के लिए अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। बोर्ड ने इस टूर्नामेंट के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान किया है। बांग्लादेश एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप में उनके साथ अफगानिस्तान और श्रीलंका है। शाकिब अल हसन की अगुवाई में बांग्लादेशी टीम एशिया कप में अपने अभियान का आगाज 30 अगस्त को अफगानिस्तान के खिलाफ करेगी। एशिया कप 2022 के लिए बांग्लादेश की टीमः शाकिब अल हसन (कप्तान), अनामुल हक, मुशफिकुर रहीम, अफिफ हुसैन, मोसद्देक हुसैन, महमुदउल्लाह रियाद, महेदी हसन, मोहम्मद सैफुद्दीन, हसन महमूद, मुस्ताफिजुर रहमान, नासुम अहमद, शब्बीर रहमान, महेदी हसन मिराज, इबादत हुसैन, परवेज हुसैन इमॉन, नुरुल हसन सोहन, तस्कीन अहमद।

न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ भारत-ए की कप्तानी कर सकते हैं प्रियांक

मुंबई (ईएमएस)। गुजरात के बल्लेबाज प्रियांक पांचाल अगले माह सितंबर में न्यूजीलैंड-ए टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज में भारत-ए की कप्तानी कर सकते हैं। पांचाल ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारत-ए की कप्तानी की थी। इसमें कहा गया है कि यदि पांचाल किसी कारण सीरीज में भाग नहीं ले पाते तो बल्लेबाज हनुमा विहारी टीम की कमान संभालेंगे। पांचाल इस समय बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। न्यूजीलैंड-ए टीम अगले माह भारत का दौरा करेगी। यहां वह बेंगलुरु में तीन चार-दिवसीय मैच, और चेन्नई में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड-ए ने इससे पहले 2017 में भारत का दौर किया था। इस टीम में रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया जा सकता है। टीम इस सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को भी अवसर दे सकती है। कुलदीप लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर है और ऐसे में वह अवसर मिलने पर इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

एशिया कप से पहले फार्म में आये राशिद

नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने एक बार फिर अपनी लय हासिल कर ली है। ऐसे में वह एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। पिछले तीन मैचों में राशिद ने शानदार बल्लेबाजी की है। उन्होंने पहले आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी। इसके बाद अभी इंग्लैंड में खेले जा रहे 100 गेंद के टूर्नामेंट द हंड्रेड में उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को 20 गेंद में ही समेट दिया। यही कारण है कि अब इस गेंदबाज से बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। राशिद की टीम एशिया कप में बांग्लादेश, श्रीलंका के साथ ग्रुप-बी में हैं जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें ग्रुप-ए में है पर सुपर-4 राउंड में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से हो सकता है।

न्यूजीलैंड ने पहली बार वेस्टइंडीज में एकदिवसीय सीरीज जीती

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को यहां हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच 5 विकेट से हराने के साथ ही तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। यह कीवी टीम की वेस्टइंडीज में पहली सीरीज जीत है। इस मैच में न्यूजीलैंड की जीत में मार्टिन गुप्टिल, डेवॉन कॉनवे, टॉम लाथम और डेरिल मिचेल की अहम भूमिका रही। इसके अलावा जेम्स नीशम ने 11 गेंद में 309 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 34 रन बनाये। इससे न्यूजीलैंड ने जीत के लिए मिले 302 रनों के लक्ष्य को 17 गेंद पहले ही हासिल कर लिया। इससे पहले न्यूजीलैंड टीम के कप्तान टॉम लाथम ने टॉस जीतकर मेजबान वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान टीम की ओर से शाई होप और काइल मायर्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले विकेट के लिए 173 रन बना दिये। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले विकेट के लिए वेस्टइंडीज की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है. इससे पहले, गॉर्डन ग्रिनीज और डेसमंड हेंस की जोड़ी ने साल 1987 में क्राइस्टचर्च में पहले विकेट के लिए नाबाद 192 रन बनाये थे। अच्छी शुरूआत के बाद भी इंडीज टीम होप के 51 रन बनाकर आउट होने के बाद संभल नहीं पायी और उसने 18 रनों के अंदर 3 और विकेट खो दिए। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंद में 91 रन बनाये।

सिनसिनाटी में वेस्टर्न व साउथर्न ओपन टेनिस में रिटर्न शॉट लगाते हुए बार्ना कोरिक

(फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 7

भाजपा साम-दाम-दंड-भेद लगाकर आप सरकार को अस्त-व्यस्त करने का कर रही प्रयास: मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकतंत्र की हत्या करने में माहिर भाजपा दिल्ली में भी साम-दाम-दंड-भेद लगाकर दिल्ली सरकार को अस्त-व्यस्त करने का प्रयास कर रही है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की ईमानदार सरकार के आगे भाजपा की दाल नही गल रही है। आज आम आदम पार्टी के वरिष्ट नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा के एक और साजिश को उजागर किया। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि उन्हें भाजपा से संदेश आया है कि वे आम आदमी पार्टी को तोड़कर भाजपा में शामिल हो जाएं, भाजपा उनके विरुद्ध चल रहे सीबीआई-ईडी के झूठे केस बंद करवा देगी। मनीष सिसोदिया ने भाजपा को जबाव देते हुए कहा, मैं राजपूत हूँ, महाराणा प्रताप का वंशज हूँ सर कटवा लूँगा, लेकिन भ्रष्टचारियों-षड्यंत्रकारियों के सामने झुकूंगा नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे खिलाफ सारे केस झूठे हैं, भाजपा को जो करना है कर ले। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज दो दिवसीय दौरे पर गुजरात जा रहे हैं, जहां अरविंद केजरीवाल जी गुजरात की जनता को दिल्ली मॉडल के तर्ज पर शिक्षा और स्वास्थ्य की गारंटी देंगे। इस बाबत सिसोदिया ने बताया कि मैं अरविंद केजरीवाल जी के साथ 2 दिन के दौरे पर गुजरात जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दिल्ली में पिछले 7-8 सालों में शिक्षा-स्वास्थ्य व रोजगार के क्षेत्र में काम हुए हैं, जिस तरीके से सरकार ने दिल्ली की जनता को 7-8 सालों में महंगाई से लड़ने में मदद की है और पिछले पांच महीनों में पंजाब में भी जिस तेजी से काम हुए हैं, उससे प्रभावित होकर गुजरात की जनता भी अरविंद केजरीवाल जी को एक मौका देना चाह रही है। मनीष ने बताया कि वो और अरविंद केजरीवाल अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे पर गुजरात में अलग-अलग जगहों पर जाकर लोगों से मिलेंगे और उनसे अपील करेंगे कि इस बार गुजरात की जनता एक मौका अरविंद केजरीवाल जी को दे। हम 5 साल में गुजरात में वो कर दिखायेंगे जो भारतीय जनता पार्टी के पिछले 27 सालों के शासन में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 27 सालों में भाजपा ने गुजरात की जनता के लिए शिक्षा-स्वास्थ्य-रोजगार के लिए कुछ नहीं किया। लगातार बढ़ती महंगाई से जनता की कमर टूट गई, लेकिन गुजरात की भाजपा सरकार ने महंगाई से लड़ने के लिए कुछ नहीं किया। सिसोदिया ने कहा कि गुजरात की जनता इस बार एक मौका अरविंद केजरीवाल जी को दे। हम गुजरात में भी दिल्ली की तरह अच्छे स्कूल, अच्छे अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे, हर तबके के बच्चे को फ्री और शानदार शिक्षा के साथ हर नागरिक को फ्री में बेहतर से बेहतर इलाज मिलेगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत की न्यायिक कस्टडी 5 सितंबर तक बढ़ाई गई

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई के बहुचर्चित पत्राचाल घोटाले में विशेष कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना नेता संजय राऊत की न्यायिक कस्टडी 5 सितंबर तक बढ़ाने का आदेश जारी किया है। कोर्ट ने संजय राऊत को न्यायिक कस्टडी में घर का खाना और दवा देने का आदेश पूर्ववत जारी रखने का भी आदेश दिया । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गोरेगांव पत्राचाल प्रोजेक्ट में 1039.79 करोड़ रुपये के घोटाले मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से जांच करते हुए 1 अगस्त को गिरफ्तार किया था। विशेष कोर्ट ने एक अगस्त को संजय राऊत को 4 अगस्त तक ईडी कस्टडी में भेजा था। इसके बाद 4 अगस्त को फिर से विशेष कोर्ट ने संजय राऊत को 8 अगस्त तक ईडी कस्टडी में भेज दिया था। ईडी ने संजय राऊत की न्यायिक कस्टडी समाप्त होने के बाद जेजे अस्पताल में मेडिकल जांच कोर्ट में पेश की। संजय राऊत के वकील अशोक मुंदरगी ने कहा कि अब जांच में कुछ नहीं बचा है, इसलिए राऊत को न्यायिक कस्टडी में रखने की जरूरत नहीं है। ईडी के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में हालही में 3 जगह छापा मारा गया और नए सबूत मिले हैं। साथ ही अभी तक संजय राऊत की पत्नी के बैंक खाते आए पैसे और अलीबाग में ली गई जमीन के संबंध में जांच पूरी नहीं हुई है। इसलिए राऊत का न्यायिक कस्टडी में रहना जरूरी है। इसके बाद विशेष कोर्ट ने संजय राऊत को 14 दिनों तक अर्थात 5 सितंबर तक के लिए न्यायिक कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है।

पश्चिमी सीमा की रेगिस्तानी सरहद पर घुसपैठ का इनपुट, सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर

जैसलमेर, (हि.स.)। देश की पश्चिमी सीमा की रेगिस्तानी सरहद पर संभावित अवांछनीय हरकत तथा घुसपैठ का इनपुट मिलने के बाद जैसलमेर में सीमा से सटे समूचे बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों तथा सीमा सुरक्षा बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय खुफिया एजेंसियों से बीएसएफ को इनपुट मिला है कि जैसलमेर से सटी पाकिस्तान की 470 किलोमीटर लम्बी सीमा पर तारबंदी के बावजूद पाकिस्तान की मदद से आतंकवादी भारतीय सीमा में घुसने की फिराक में है। उधर जैसलमेर के म्याजलार बॉर्डर पर पिछले दिनों पाकिस्तान जाने की फिराक में पकड़े गये बांग्लादेशी युवक से सुरक्षा व जांच एजेंसियां संयुक्त रूप से कड़ी पूछताछ कर रही है। पकड़ा गया बांग्लादेशी युवक लैपटॉप, मोबाइल तथा नक्शे के साथ इस रास्ते से सऊदी अरब जाना चाहता था। पाकिस्तान ने पश्चिमी बॉर्डर के खासकर गंगानगर बॉर्डर पर हेरोइन व अन्य ड्रग्स की तस्करी पर खासा फोकस कर रखा है। कई बार ड्रोन के जरिये भारतीय सीमा में फेंकी गई ड्रग्स भारतीय सीमा में जब्त की जा चुकी है। कई स्थानीय तस्कर भी पकड़े जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में जैसलमेर बॉर्डर पर भी सुरक्षा बलों का पहरा बढ़ा दिया गया है क्योंकि पिछले दिनों बाड़मेर बॉर्डर, पर भी तस्करी से जुड़े लोगों को पकड़ा जा चुका है।

विनायक मेटे मौत मामले की समानांतर जांच डीआईजी स्तर के अधिकारी से कराई जाएगी : फडणवीस

मुंबई, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि शिवसंग्राम संगठन के पूर्व अध्यक्ष विनायक मेटे की मौत के मामले में उनका चालक शक के घेरे में है। चालक के बार-बार बयान बदलने से उस पर शक गहराता जा रहा है। इसलिए इस मामले की समानांतर जांच सीआईडी के साथ डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) स्तर के अधिकारी से करवाई जाएगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने सोमवार को विनायक मेटे की मुंबई-पुणे हाईवे पर सड़क दुर्घटना में हुई मौत का मुद्दा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाया। अजीत पवार ने कहा कि इस मामले में चालक बार-बार अपना बयान बदल रहा है, इससे सच के बारे में पता नहीं चल पा रहा है। साथ ही मुंबई-पुणे हाईवे को छोटे वाहनों के लिए दो लेन और बढ़ाकर 8 लेन का करना आवश्यक है। अजीत पवार ने कहा कि विनायक मेटे को सड़क दुर्घटना के बाद समय पर मदद नहीं मिली थी। इसी तरह कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात ने इस घटना में पुलिस की लापरवाही का मुद्दा उठाया। साथ ही कांग्रेस विधायक वर्षा गायकवाड़ ने भी मामले की तत्काल गहन छानबीन किए जाने और हाईवे पर गड्ढों को तत्काल भरे जाने की मांग की। इसके बाद उपमुख्यमंत्री ने इस घटना की गहन छानबीन करवाए जाने और हाईवे पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन सभागृह को दिया। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई-पुणे हाईवे को 8 लेन का बनाकर डिजिटल जीपीएस प्रणाली लागू की जाएगी।

सीबीआई ने शुरू की डीटीसी बसों की खरीद में भ्रष्टाचार की प्रारंभिक जांच

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली सरकार द्वारा 1,000 लो-फ्लोर बसों की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू की है। केजरीवाल सरकार ने दावा किया है कि उन्हें इस मामले में क्लीन चिट मिल गई है। दूसरी ओर, भाजपा ने कहा है कि 2021 में दर्ज की गई शिकायत पर अभी भी गौर किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने करीब 100 लो-फ्लोर बसें खरीदीं जिनमें कथित तौर पर भ्रष्टाचार किया गया। 16 अगस्त, 2021 को सीबीआई को बसों की खरीद में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। गृह मंत्रालय ने सीबीआई से मामले की जांच करने का अनुरोध किया था। दिल्ली के पूर्व एलजी अनिल बैजल ने मामले को देखने के लिए तीन सदस्यीय पैनल के गठन का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार के पूर्व अतिरिक्त सचिव गोविंद मोहन ने कहा था कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा प्रारंभिक जांच की आवश्यकता है। जनवरी 2022 में सीबीआई ने प्रारंभिक जांच शुरू की जो अभी भी जारी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस मामले में अभी तक सीबीआई ने कोई शिकायत दर्ज नहीं की है।

सीबीआई-ईडी का नहीं हो रहा है दुरुपयोग, डरे हुए नीतीश छोड़ दें राजनीति : चिराग पासवान

बेगूसराय, (हि.स.)। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चिराग पासवान ने कहा है कि सीबीआई और ईडी भारत की स्वतंत्र संस्थाएं हैं। उसकी कार्रवाई से सही लोगों क्यों घबराएंगे, अगर कोई कह रहा है कि इस स्वतंत्र संस्था का दुरुपयोग हो रहा है, यह कहना उचित नहीं है। सोमवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में चिराग पासवान ने कहा कि कई बार सीबीआई और ईडी की छापेमारी के टाइमिंग को लेकर सवाल उठते हैं। लेकिन ऐसे में भी जिसने गलत नहीं किया, जिसके पास छुपाने के लिए कुछ नहीं है, वह क्यों डरेगा, जिसने गलत किया है वह आज ना कल जरूर पकड़े जाएंगे। चिराग ने नीतीश कुमार को डरा हुआ मुख्यमंत्री बताते हुए राजनीति छोड़ने की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसी के कहने से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इतना ज्यादा डर गए कि अपने नीतियों और सिद्धांतों से समझौता कर उसी जंगलराज वाले के साथ चले गए, जिसके साथ कभी नहीं जाने की कसमें खाते थे। हर राजनीतिक दल का अपना एजेंडा होता है, वह पार्टी अपने एजेंडे पर काम करती है। क्षेत्रीय दल का प्रभाव कभी समाप्त नहीं होगा, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कहने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इतना ही डर गए हैं तो राजनीति छोड़ दें। राजनीति डरकर नहीं की जा सकती है, राजनीति में विश्वास जरूरी है। लेकिन नीतीश कुमार इतना डर गए कि रातों-रात गठबंधन बदलने का निर्णय ले लिया, यही डर नीतीश कुमार और जदयू को समाप्त करेगी। 2024 के बाद नीतीश कुमार और जदयू का नाम लेने वाला नहीं रहेगा। बिहार में अभी बनी जदयू और राजद की सरकार बहुत जल्द गिरेगी, नीतीश कुमार महागठबंधन से अलग होकर नया गठबंधन बनाएंगे, क्योंकि वह कुर्सी के बिना नहीं रह सकते हैं और नया गठबंधन बनाते ही बिहार में मध्यावधि चुनाव होगा। लोजपा ने आज से अपना चुनावी अभियान शुरू कर दिया है, सितम्बर के तीसरे सप्ताह में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर होगा। जिसमें बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट मिशन पर विस्तार से चर्चा की जाएगी, हम अपने आदर्श रामविलास पासवान के बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट को हर घर तक ले जाएंगे। मैं भविष्यवक्ता नहीं, लेकिन मौसम वैज्ञानिक कहे जाने वाले रामविलास पासवान का पुत्र जरूर हूं, कई बार राजनीतिक आकलन कर लेता हूं। बहुत जल्द जदयू एवं राजद में दरारें खुलकर दिखेगी। लोजपा किसके साथ गठबंधन करेगी यह समय बताएगा, चाचा के साथ किसी हालत में नहीं जाएंगे। बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है, लोकतंत्र का कोई भी स्तंभ सुरक्षित नहीं है। पूरे बिहार में टारगेट पर पत्रकार हैं और सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। सरकार के अन्याय का विरोध करने पर लोग मारे जा रहे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में कोई भी सुरक्षित नहीं है, अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, प्रशासन उसे संरक्षण दे रही है, सरकार बढ़ते अपराध पर जवाबदेही तय करे। लोजपा पीड़ित परिजन की मदद करती है, सरकार तुरंत ही नौकरी और आर्थिक सहायता करे। प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष प्रेम कुमार पासवान, सुरेन्द्र विवेक, संजय पासवान, इंदिरा देवी एवं सुदर्शन सिंह सहित अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE
TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 23 august 2022:Layout 1 8/22/2022 6:55 PM Page 8

अर्जुन बिजलानी ने 'रूहानियत' के सीजन 3 की संभावना के दिए संकेत

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता अर्जुन बिजलानी अपनी वेब सीरीज 'रूहानियत 2' के सीजन के फिनाले को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से खुश हैं। वह इस बारे में भी बात करते हैं कि क्या कभी शो का सीजन 3 भी होगा। उन्होंने कहा, "शो शुरू से ही मेरे लिए बहुत खास रहा है। साथ ही इस तरह की दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रियाओं को आते देखना संतोषजनक है। उनके शो की लोकप्रियता ने तीसरे सीजन को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। शो के तीसरे सीजन के बारे में अर्जुन ने कहा, मुझे सीजन 3 के बारे में लगातार सवाल मिल रहे हैं, यह देखकर कि कैसे हर कोई सवेर और प्रिशा की यात्रा को देख रहे हैं। मैं, उनके फिनाले एपिसोड देखने का और इंतजार नहीं कर सकता। जहां तक सीजन 3 की बात है, मुझे लगता है कि दर्शकों को बड़ा आश्चर्य होगा।" वहीं अभिनेत्री कनिका को लगता है कि शो ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने के लिए सही रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हर शुक्रवार को तीन एपिसोड जारी करने से इतनी उत्सुकता बढ़ी कि दर्शकों को और अधिक चाहिए। यह समापन एपिसोड को और अधिक देखने योग्य बनाता है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि इतने सारे लोग इस बात की परवाह करते हैं कि प्रिशा और सेवर की कहानी कहां जा रही है। मैं सिर्फ इतना कह सकती हूं कि फिनाले उन्हें निराश नहीं करेगा।" 'रूहानियत' चैप्टर 2 अब एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

सिंघम-3 के बाद अजय देवगन के साथ गोलमाल-5 बनाएंगे रोहित शेट्टी

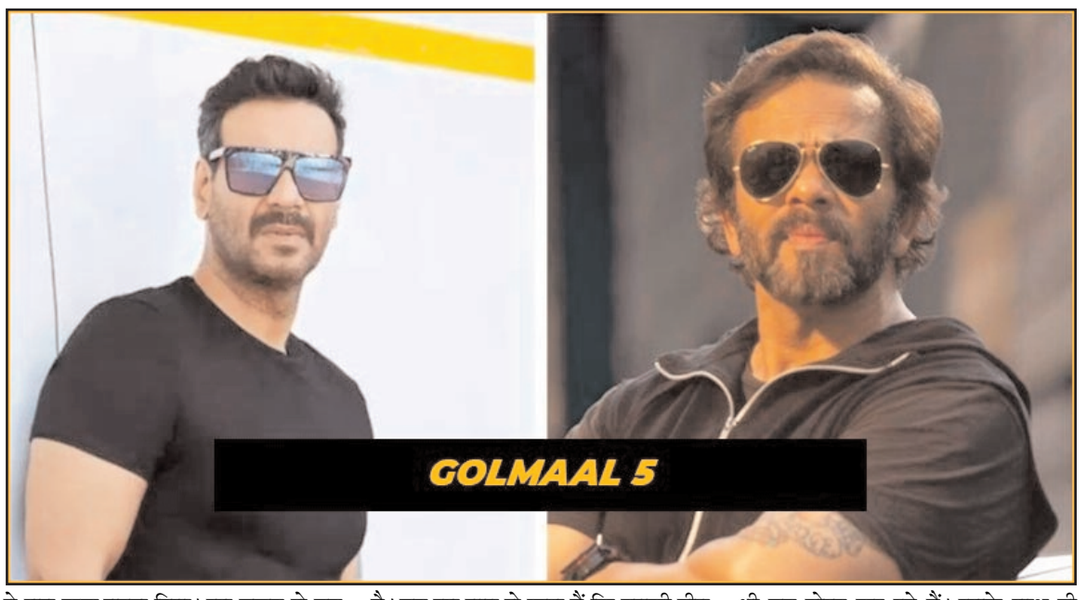

मुंबई (ईएमएस)। ख्यात फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक्टर अजय देवगन के साथ आने वाली फिल्म सिंघम 3 का ऐलान किया है। अब उन्होंने अपनी एक और सुपरहिट फिल्म की अगली कड़ी बनाने घोषणा की है। डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने पुष्टि की है कि वह एक बार फिर अजय देवगन के साथ गोलमाल-5 बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि रोहित शेट्टी की गोलमाल फ्रेंचाइजी ने लोगों का जमकर मनोरंजन किया है। इस फ्रेंचाइजी की चार फिल्में आ चुकी हैं। अब इसके पांच वे पार्ट के बारे में सुनकर फैंस के बीच खलबली मच गई है। आने वाली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स पर काम कर डायरेक्टर रोहित शेट्टी गोलमाल फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म गोलमाल 5 के लिए कमर कस चुके हैं। उन्होंने खुद इस बात को इंटरव्यू में कंफर्म किया कि वह गोलमाल के अगले पार्ट पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो सिंघम के ठीक बाद या उसके एक और साल हो बाद इस पर काम करना शुरू कर देंगे। रोहित ने साझा किया कि दो साल से कोरोना महामारी ने सब कुछ बदल दिया। इस वजह से वह गोलमाल शुरू नहीं कर सके, क्योंकि उन सभी के लिए काम का एक बड़ा बैकलॉग था। हालांकि, अब सब कुछ ठीक है और वह जल्द ही गोलमाल -5 पर काम शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म निर्माण की शैली में कोई बदलाव नहीं किया है। वह इस बात से खुश हैं कि उनकी टीम और वह सबसे शांत हैं, क्योंकि वे ऐसी फिल्में बना रहे हैं जिसमें लोग विश्वास करते हैं। आपको बता दें कि रोहित शेट्टी इन दिनों टीवी के दुनिया की फेमस रियलिटी शो खतरो के खिलाड़ी 12 को लेकर खबरों में छाए रहते हैं। इस को इस बार भी वह होस्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही साथ वह इंडियन पुलिस फोर्स के साथ अपना बड़ा ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोहित के इस वेब सीरीज से सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय भी अपना ओटोटी डेब्यू कर रहे हैं।

बुरे पात्र जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं: विजय वर्मा

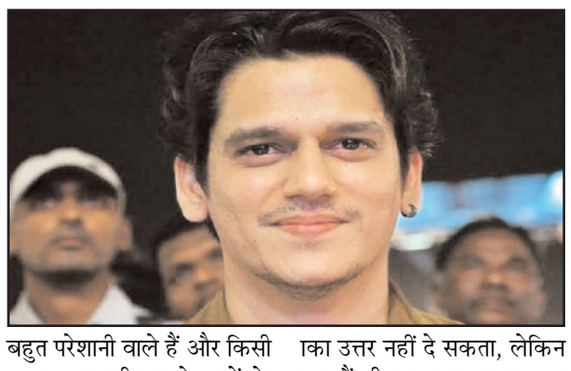

मुंबई (ईएमएस)। पिंक', 'डार्लिंग्स', 'घोस्ट स्टोरीज' और 'गली बॉय' जैसी कई अन्य फिल्मों में अलग-अलग रूप में कई भूमिकाएं निभा चुके अभिनेता विजय वर्मा का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला है जो 'बावर्ची' में दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना के किरदार की तरह "खरा" हो। विजय का कहना है कि बुरे पात्र जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। विजय ने कहा, "मुझे नहीं पता! मुझे अभी तक एक इसतरह के व्यक्ति से मिलना है जो जीवन में अच्छा है इसलिए हम सभी रंगों से भरे हुए हैं।" हम सभी खामियों और गुण भरे हुए हैं, मुझे यह पसंद है कि मैं जो किरदार निभा रहा हूं, वे भावनाओं, मनोविज्ञान और लक्षणों से निपट रहे हैं, जो खुद के लिए और दूसरों के लिए बहुत परेशानी वाले हैं और किसी तरह हम सभी इन ग्रे पात्रों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।" अपनी हालिया रिलीज 'डार्लिंग्स' में शराबी और पत्नी को पीटने वाले अभिनेता का किरदार निभाने वाले विजय ने कहा कि वह दर्शकों की ओर से जवाब नहीं दे सकते, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला है जो अच्छा हो। मैं वास्तव में दर्शकों की ओर से इस-ाका उत्तर नहीं दे सकता, लेकिन जब मैं जीवन का अध्ययन करता हूं और अपने आस-पास के लोगों का अध्ययन करता हूं, तब मुझे ऐसा लगता है कि मुझे अभी तक किसी इसतरह के व्यक्ति से मिलना बाकी है जो 'बावर्ची' का राजेश खन्ना जैसा खरा है, जो सभी अच्छे हैं।" उन्होंने कहा, तब हां, ये पात्र जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए यह संबंधित हो जाता है।

गीता फोगट शी-हल्क की जिम दोस्त बनना चाहती हैं

मुंबई (ईएमएस)। स्वर्ण पदक विजेता और ओलंपिक पहलवान गीता फोगट, जिनके जीवन पर 2016 का खेल नाटक दंगल' आधारित है, ने हाल ही में रिलीज हुई श्रृंखला 'शी-हल्कः अटॉर्नी एट लॉ' की सराहना कर खुला पत्र साझा किया। फोगट, जो महिला सशक्तिकरण की प्रतीक हैं, ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वह 'शी-हल्क' के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित होती हैं और उनके साथ जिम की दोस्त बनना चाहती हैं। मार्वल की सबसे नई सुपरहीरो को देख लगा की यार ये बिलकुल हमारे टाइप की हीरो है।" गीता ने आगे लिखा, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, "एकदम हट्टी खट्टी और लंबी चौड़ी, मुझे शी-हल्क को अपना जिम दोस्त बनाना है उसकी और मेरी लाइफ भी देखी जाए, तब कफी एक जैसी है। कुश्ती की दिग्गज ने कहा, "वो वकील बन के लोगों की रक्षा करती है और मैं डीएसपी बन के।

आलिया बोलीं- काम करना मुझे सुकून देता है

आलिया भट्ट हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'डार्लिंग्स' के सॉन्ग रिलीज इवेंट में पहुंची थीं। इस इवेंट में आलिया ने प्रेग्नेंसी के दौरान काम करने पर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने कहा कि वो हेल्दी हैं और उन्हें आराम करने की कोई जरूरत नहीं है। साथ ही आलिया ने कहा कि काम करने से उन्हें सुकून मिलता है। फिल्म के सॉन्ग रिलीज इवेंट में आलिया से प्रेग्नेंसी के दौरान फिल्म को प्रमोट करने के स्ट्रेस के बारे में पूछा गया। एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा, "अगर आप फिट हो, हेल्दी हो, फाइन हो तो कोई आराम की जरूरत नहीं है। काम करना मुझे सुकून देता है, एक्टिंग मेरा पैशन है। मैं अभी भी अपने काम को उतना ही एन्जॉय कर रही हूं। मुझे कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है।"

आलिया ने आगे कहा, "काम मेरे दिल, दिमाग और आत्मा को जिंदा रखता है। इसलिए मैं 100 साल की उम्र में भी काम करूंगी।" बता दें, आलिया ने रणबीर कपूर से शादी के दो महीने बाद जून में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी।

तैमूर को पैपराजी से फोटोज क्लिक करवाना नहीं है पसंद

एक्ट्रेस करीना कपूर खान बॉलीवुड की सबसे फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। पैपराजी अक्सर उन्हें क्लिक किया करते हैं। पैपराजी जितना ही करीना को क्लिक करने के दीवाने हैं, उतना ही उनके दोनों बच्चे तैमूर और जेह के भी। करीना से हाल ही में एक इंटरव्यू में पैपराजी कल्चर और उनके बच्चों पर उसके प्रभाव के बारे में पूछा गया। करीना ने कहा, 'मैं कहती हूं ठीक है फोटोज ले लो। इसे जल्दी करो और हमें परेशान मत करो। लेकिन ईमानदारी से क-हूं, तो मुझे समझ में नहीं आता कि वे उसकी तस्वीर क्यों लेना चाहते हैं?' करीना के बेटे तैमूर जो इस समय 5 साल के हैं, उन्हें फोटोग्राफर्स से उनकी फोटोज न लेने के लिए कहते हुए देखा गया है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस कहती हैं, 'मेरा बेटा तैमूर मुझसे पूछता है कि पैपराजी आप लोगों की फोटोज क्यों क्लिक कर रहे हैं? उसे लगता है कि उसके पेरेंट्स फेमस हैं और वो नहीं। फिर मैं उसे कहती हूं कि हां तुम फेमस नहीं हो। तुम्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। तुम अभी बच्चे हो। उसे ये पता है और लोगों को भी समझना चाहिए। करीना ने बातचीत के दौरान ये भी बताया कि उनके पति, एक्टर सैफ अली खान को भी पैपराजी द्वारा क्लिक किए जाना पसंद नहीं है।

स्लिट ड्रेस में रश्मि देसाई ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही सोशल मीडिया पर दिलचस्प पोस्ट शेयर करती रहती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट का वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में रश्मि ने एक स्ट्रैपलेस हाई स्लिट ग्रीन कलर की ड्रेस पहनी हुई है। वीडियो में रश्मि कैमरे के सामने सिजलिंग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं। जिसे देख सेलिब्रिटी से लेकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे है। फैंस को उनका ये ग्लैमरस अंदाज खूब पसंद आ रहा है।

वेब सीरीज कैच-22 का पोस्टर हुआ लॉन्च, दो अक्टूबर को होगी रिलीज

लखनऊ, (हि.स.)। वेब सीरीज कैच-22 दो अक्टूबर को रिलीज होगी। लेखक और निर्देशक विपिन अग्निहोत्री की नई वेब सीरीज कैच 22 का पोस्टर रविवार को लॉन्च किया गया है जिसमें यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि भावनात्मक प्राणी के रूप में हम अक्सर बदलाव या अलगाव से डरते हैं। वेब सीरीज के प्रोड्यूसर अमित दीप जायसवाल ने बताया कि कैच 22 सीजन-1 में लगभग 40 मिनट के 6 एपिसोड हैं, जो बिगड़ते वैवाहिक जीवन का अनुसरण करते हैं। क्रिएटिव डायरेक्टर अमित पाण्डेय ने बताया कि यह वेब सीरीज आम लोगों को बहुत पसंद आएगी। चीफ एसोसिएट नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि वेब सीरीज की कहानी लीक से हटकर है और हर कोई इससे अपने आप को जुड़ा पाएगा।

शोभिता धुलिपाला की बात पूछने पर मुस्कुराए नागा

नागा चैतन्य इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। वह आमिर खान स्टारर लाल सिंह चड्ढा में एक इंपॉर्टेंट कैमियो में दिखाई देंगे। नागा इन दिनों इसी के प्रमोशन में बिजी हैं। हाल ही में एक प्रमोशन इवेंट में नागा से उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड शोभिता धुलिपाला को लेकर एक प्रश्न पूछा गया, इस पर वे मुस्कारा दिए। सांमथा से डिवोर्स के बाद से नागा का नाम शोभिता से जुड़ रहा है। दरअसल, नागा से एक इंटरव्यू में शोभिता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्माइल की और ब्लश करने लगे। हालांकि तुरंत ही संभलते हुए उन्होंने कहा- प्रश्न इतना अच्छा है कि फेस पर स्माइल आ गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बातों ही बातों में नागा ने शोभिता के साथ डेटिंग की खबरों को कंफर्म किया है। लेकिन इस बात पर दोनों की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

ट्विटर पर ट्रेंड हुआ #ऋतिक रोशन मांफी मांगो

ट्विटर पर इस समय हैशटैग ऋतिक रोशन माफी मांगो ट्रेंड हो रहा है। दरअसल हाल ही में ऋतिक रोशन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो के एक विज्ञापन में नजर आये, जिसमें वह कह रहे थे- थाली का मन किया। उज्जैन में हैं, तो महाकाल से मंगा लिया। इस विज्ञापन के सामने आने के बाद विज्ञापन को महाकाल से जोड़ने पर विवाद हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार महाकाल मंदिर के पुजारियों ने इस पर कड़ा विरोध जताया था। उनका कहना था कि महाकाल मंदिर किसी थाली की डिलीवरी नहीं करता है। जोमैटो और ऋतिक रोशन इस विज्ञापन के लिए माफी मांगें। सोशल मीडिया यूजर्स भी ऋतिक के इस विज्ञापन पर नाराजगी जताते हुए उनसे माफी की मांग कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6170

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6169 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्दजाल- 6917

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द	
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क	
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू	
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की	
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त	
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व	
द	प	न्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द	
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख	
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ	
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द	
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न	

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्सान, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 6916 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	ब	न	र	क	
र	बा	बु	ल	आ	वा	जी	द	इ	ल	ल	
म	व	दे	पू	ह	जी	स्म	न	का	क	हो	
म	ची	न	श	ट	ज	प	म	पा	त	न	
सा	त	ई	पा	में	व	खें	न	भा	र्क	का	
ला	मे	म	सु	प	गं	र	न	ई	र	बु	
श	जं	र्म	मे	ता	क	सा	या	न	ज	ल	
क	क	ग	ए	सं	ज	प	र	ली	न	ए	
ब्रे	बो	र्न	य	त	चि	क	री	जि	प	क्स	
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	व	न्दा	ता	प्रे	
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5870

1	6	7			2	
6	31		28	3	30	1
5		3	4			7
	27	4	26		39	
2			1	6		4
	34	6	35		40	
3	7			5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5869 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	23	1	26	6	40	6
5	7	2	4	1	6	3
4	38	4	24	4	29	4
3	7	6	1	2	4	5
6	47	7	35	7	26	2
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in